वर्ष : 34 | अंक : 377 | मुंबई, गुरुवार, 26 मार्च 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

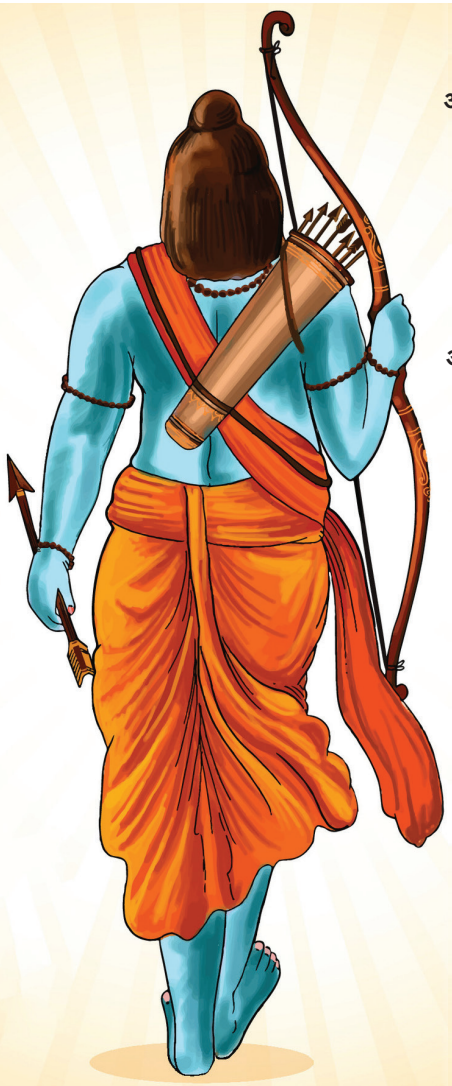

आज राम नवमी है। भगवान राम ने आज ही के दिन अवतार लिया था। ये चैत्र नवरात्र का आखिरी दिन होता है। ऐसे समझें, नवरात्र शक्ति की उपासना के नौ दिन और नौवें दिन ही राम का जन्म जो मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। संकेत साफ हैं, शक्ति के साथ मर्यादा होना जरूरी है। अगर ताकत को संयम और नियमों में न बांधा जाए तो वो घातक हो सकती है। राम, भगवान विष्णु का मानव अवतार हैं इसलिए उनके सारे संदेश आम आदमी के लिए ही हैं। एक सामान्य आदमी अपनी मर्यादा में रहकर भी कैसे असंभव से कामों को कर सकता है, ये भगवान राम समझाते हैं। उन्होंने अपने जीवन में हर रिश्ते को न सिर्फ निभाया, बल्कि समाज के सामने उदाहरण रखा कि हमें रिश्ते कैसे निभाने चाहिए। हर रिश्ते में हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए।

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

रमंते सर्वत्र इति रामः

दशरथ के पुत्र राम

मां-पिता दोनों के लिए राम पुत्र के रूप में सबसे आदर्श व्यक्ति हैं। पिता के एक वचन के लिए राज्य का त्याग करके वनवास स्वीकार करने वाले राम रोज सुबह अपने माता-पिता और गुरु के चरण छूकर आशीर्वाद लेते हैं। राज्य के काम में पिता की सहायता करते हैं। वनवास देने वाली मां कैकेयी को भी राम ने हमेशा तीनों माताओं में सबसे पहले स्थान दिया। राम सिखाते हैं कि माता-पिता हमारे लिए सबसे पहले होने चाहिए। संतान वो ही अच्छी है जो माता-पिता को सम्मान, प्रेम दे, उनका कहा माने।

सीता के पति राम

जब सीता और राम का विवाह हुआ तो राम ने सीता को उपहार में वचन दिया कि सीता के अलावा उनके जीवन में कोई और स्त्री नहीं आएगी। ये सिर्फ एक वचन या उपहार नहीं था, बल्कि अपनी गृहस्थी में विश्वास की नींव रखी। राम से सीख सकते हैं कि आदर्श पति वो ही है जो पत्नी को प्रेम के साथ उचित आदर भी दे। वैवाहिक जीवन में एक-दूसरे के आत्मसम्मान और व्यक्तित्व की गरिमा का ध्यान रखना भी पति-पत्नी का कर्तव्य है।

भरत-लक्ष्मण के भाई राम

भगवान राम को अपने भाइयों से बहुत प्रेम था। भाइयों के लिए वो पिता जैसे थे। लक्ष्मण परछाई की तरह हमेशा उनके साथ रहे, भरत को उन्होंने अपने मन में जगह दी। हनुमान से मिले तो उन्हें कहा - तुम्ह मम प्रिय भरत सम भाई। राम से सीख सकते हैं कि उन्होंने भाइयों में कभी भेद नहीं किया। हमेशा उनके लिए त्याग किया। एक भाई को अपने साथ स्थान दिया और दूसरे को मन में स्थान दिया। प्रेम के संतुलन का ये सूत्र सिर्फ श्रीराम ही जानते थे।

सबके राम

जब राम वन में गए तो उन्होंने निषाद राज को गले लगाकर मित्रता का आदर्श प्रस्तुत किया। समाज के बनाए ऊँच-नीच के भेदभाव को उन्होंने अपने व्यवहार से पूरी तरह नकार दिया। शबरी के प्रेम से भरे जूठे बेर स्वीकार कर राम ने यह साबित किया कि सच्ची भावना और भक्ति सबसे ऊपर होती है, न कि जाति या सामाजिक स्थिति। राम सिखाते हैं कि इंसान की पहचान उसके कर्म और भावनाओं से होती है, न कि उसके जन्म या वर्ग से। सच्चा सम्मान और प्रेम वही है, जो बिना किसी भेदभाव के हर व्यक्ति को अपनाए।

सुग्रीव-विभीषण के मित्र राम

भगवान राम की दोस्ती सबसे बड़ा उदाहरण बनी। अपने मित्रों के दु:ख को उन्होंने अपना दु:ख समझा। सुग्रीव और विभीषण से तब मित्रता की, जब दोनों ही अपने राज्य से निकाल दिए गए। उन्हें उनके राज्य फिर दिलवाए। किष्किंधा और लंका दोनों को राम ने जीता, लेकिन उनका राजा अपने मित्रों को बनाया। खुद दूर रहे। राम सिखाते हैं कि मित्रता में हमेशा देने का भाव रखें। मित्रों से कुछ लेने की उम्मीद न करें।

बालि-रावण के शत्रु राम

भगवान राम की दोस्ती ही नहीं, दुश्मनी भी आदर्श है। सुग्रीव और विभीषण दोस्त थे तो उनके भाई बालि और रावण दुश्मन, लेकिन राम ने उनको मार कर कभी उनका भी अपमान नहीं किया। दोनों की मौत के बाद उनके परिवार की जिम्मेदारी सुग्रीव और विभीषण को ही सौंपी। राम सिखाते हैं कि बालि को तीर मारकर राम ने उसे ज्ञान दिया कि वो अपनी ताकत के दम पर सुग्रीव के साथ कितना अत्याचार कर रहा था।

वरिष्ठ-विश्वामित्र के शिष्य राम

भगवान राम के दो गुरु रहे हैं पहले कुलगुरु वशिष्ठ और फिर ब्रह्मर्षि विश्वामित्र। वेद, पुराण और जीवन के अनुशासन की शिक्षा वशिष्ठ से और अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा विश्वामित्र से ली। दोनों ही गुरुओं से बहुत कम समय में सारी चीजें सीखीं। राम सिखाते हैं कि राजा का बेटा होने के बाद भी उन्होंने गुरु के आश्रमों में शिक्षा ग्रहण की , जैसे कि आम विद्यार्थी करता है। ये संकेत है कि आप जिस परंपरा में हैं उसे पूरे मन से निभाएं।

महिलाओं के लिए सुरक्षित हुआ महाराष्ट्र

धीरज सिंह | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा और डिजिटल अपराधों पर लगाम लगाने के लिए एक ऐतिहासिक कानूनी कदम उठाया है। बुधवार (25 मार्च 2026) को राज्य विधान परिषद ने भारतीय न्याय संहिता (महाराष्ट्र संशोधन) विधेयक 2026 को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी। इस संशोधन के तहत एसिड अटैक पीड़ितों की पहचान को सुरक्षित रखने और ऑनलाइन यौन उत्पीड़न को दंडनीय अपराध बनाने के प्रावधान जोड़े गए हैं।

- बीएनएस कानून में हुए दो बड़े बदलाव
- महाराष्ट्र में एसिड अटैक पीड़ितों की पहचान बताना होगा अपराध
- ऑनलाइन छेड़छाड़ पर भी रोक; बिल पारित

विधानसभा से पहले ही हो चुका था पारित

यह विधेयक पहले ही विधानसभा से पारित हो चुका था और अब परिषद की मंजूरी के बाद इसे लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, जो गृह विभाग भी संभालते हैं, ने सदन में कहा कि यह कदम महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर सख्ती से रोक लगाने की दिशा में उठाया गया है। फडणवीस ने बताया कि साल 2020 में राज्य सरकार ने 'शक्ति क्रिमिनल लॉज (महाराष्ट्र संशोधन) बिल' पारित किया था, जिसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए केंद्र को भेजा गया था। हालांकि, केंद्र ने बाद में इसे वापस भेज दिया और बताया कि वह भारतीय दंड संहिता (IPC), दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC) और POCSO कानून के प्रावधानों को मिलाकर एक व्यापक कानून तैयार कर रहा है। इसी प्रक्रिया के तहत जुलाई 2024 में भारतीय न्याय संहिता (BNS) लागू की गई, जिसने IPC की जगह ली। इसके बाद केंद्र ने महाराष्ट्र से पूछा कि क्या राज्य को BNS में अलग से संशोधन की आवश्यकता है। इस पर राज्य सरकार ने एक समिति गठित की, जिसने सुझाव दिया कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों के कुछ अहम पहलुओं को अभी भी शामिल करना जरूरी है।

एसिड अटैक पीड़ितों को मिला कानूनी सुरक्षा घेरा

इसी के आधार पर दो महत्वपूर्ण प्रावधान इस संशोधन विधेयक में जोड़े गए। पहला, एसिड अटैक पीड़ितों की पहचान उजागर करने पर सजा का प्रावधान। मौजूदा BNS की धारा 72 में कुछ यौन अपराधों के पीड़ितों की पहचान उजागर करने पर रोक है, लेकिन इसमें एसिड अटैक पीड़ित शामिल नहीं थे। अब इस कमी को दूर किया गया है।

ऑनलाइन यौन उत्पीड़न पर 3 साल की जेल

दूसरा बड़ा प्रावधान डिजिटल या ऑनलाइन यौन उत्पीड़न से जुड़ा है। BNS की धारा 75 में यौन उत्पीड़न को परिभाषित किया गया है, लेकिन इसमें ईमेल, सोशल मीडिया या अन्य डिजिटल माध्यमों के जरिए किए जाने वाले उत्पीड़न को स्पष्ट रूप से शामिल नहीं किया गया था। नए संशोधन के तहत अब ऐसे मामलों को भी अपराध की श्रेणी में लाया गया है। नए कानून के अनुसार, ऑनलाइन यौन उत्पीड़न के मामलों में दोषी पाए जाने पर तीन साल तक की कठोर कारावास की सजा और जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। इसमें किसी को आपत्तिजनक संदेश भेजना, धमकी देना या निजी फोटो-वीडियो साझा करने की धमकी देना शामिल है।

कमाठीपुरा-उमरखाड़ी का होगा कायाकल्प

- 8000 परिवारों को इसी हफ्ते मिलेगा वर्क ऑर्डर
- जर्जर घरों की जगह बनेंगे सुरक्षित और आधुनिक टावर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

साउथ मुंबई के कमाठीपुरा और उमरखाड़ी जैसे ऐतिहासिक और घनी आबादी वाले इलाकों के लिए पुनर्विकास का इंतज़ार अब खत्म होने वाला है। राज्यमंत्री डॉ. पंकज भोयर ने विधानसभा में स्पष्ट किया है कि सरकार इन क्षेत्रों को नया रूप देने के लिए पूरी तरह तैयार है और अगले 60 दिनों में ज़मीनी स्तर पर बदलाव दिखने लगेगा।

कमाठीपुरा: क्लस्टर पुनर्विकास से बदलेगी तस्वीर

कमाठीपुरा की पहचान पुरानी और जर्जर हो चुकी इमारतों से रही है। अब यहाँ 'क्लस्टर पुनर्विकास' मॉडल अपनाया गया है, जिससे पूरे इलाके का सुनियोजित विकास होगा। इस प्रोजेक्ट के जरिए लगभग 8,000 परिवारों को सभी आधुनिक सुविधाओं वाले पक्के और सुरक्षित घर मिलेंगे। सरकार ने प्रशासनिक अड़चनों को दूर कर लिया है। 9 जुलाई 2025 को विशेष नियोजन प्राधिकरण की घोषणा और 22 जून 2025 को निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद, अब इसी सप्ताह वर्क ऑर्डर जारी कर दिए जाएंगे। इसके ठीक दो महीने बाद मौके पर वास्तविक निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। इस परियोजना को और अधिक गति देने के लिए इसे "वाइटल प्रोजेक्ट" का दर्जा दिया जा रहा है। इस दर्जे का मतलब है कि प्रोजेक्ट को सरकारी मंजूरियों के लिए लंबी कतारों में नहीं लगना पड़ेगा और फंड की उपलब्धता प्राथमिकता पर रहेगी।

उमरखाड़ी: चरणों में होगा विकास

उमरखाड़ी क्षेत्र के विकास के लिए सरकार ने चरणबद्ध रणनीति बनाई है। 81 पुरानी इमारतों का पुनर्विकास होगा। प्राथमिकता के आधार पर 36 इमारतों का काम सबसे पहले शुरू किया जाएगा। 12 इमारतों के संरक्षण और मरम्मत पर पहले ही 12 करोड़ खर्च किए जा चुके हैं, ताकि नए निर्माण तक रहने वालों की सुरक्षा सुनिश्चित रहे।

ब्रीफ न्यूज़

स्टाम्प ड्यूटी घोटाला मामले में जॉइंट डिप्टी रजिस्ट्रार निलंबित

मुंबई। मुबई के जॉइंट डिप्टी रजिस्ट्रार ईश्वर देवासी को निलंबित कर दिया गया है। यह घोषणा बुधवार को राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने विधानसभा में की। देवासी पर 3 करोड़ 82 लाख रुपये की स्टाम्प ड्यूटी डुबाने और गैर-कानूनी तरीके से रजिस्ट्री करने का आरोप है। मंत्री बावनकुले ने साफ किया कि इस मामले की विभागीय जांच अगले तीन महीने में पूरी कर ली जाएगी। इसके बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। देवासी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सरकार इस मामले में क्रिमिनल केस फाइल करने पर भी विचार कर रही है। इस मामले से जुड़ी प्रॉपर्टी की मार्केट वैल्यू करीब 100 करोड़ रुपये है। स्टांप ड्यूटी वसूलने के साथ-साथ प्रशासनिक कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। विधायक रत्नाकर गुट्टे ने यह मुद्दा सदन में उठाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि देवासी ने अपने पद का गलत इस्तेमाल करते हुए जुहू में एक प्रॉपर्टी की स्टाम्प ड्यूटी बिना वसूले गलत तरीके से रजिस्ट्री कर दी थी।

अनिल अंबानी को हाई कोर्ट से झटका, अंतरिम राहत देने से इनकार

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने बैंक ऑफ बड़ौदा से जुड़े कथित धोखाधड़ी मामले में रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी को किसी भी प्रकार की अंतरिम राहत देने से साफ इनकार कर दिया है। अदालत ने उनकी याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग को ठुकराते हुए कहा कि चूंकि यह मामला पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए याचिकाकर्ता को समानांतर कानूनी रास्ते अपनाने के बजाय शीर्ष अदालत के फैसले का इंतजार करना चाहिए। पीठ ने अंबानी को सलाह दी कि वे अलग-अलग अदालतों के चक्कर काटने के बजाय अपनी याचिका वापस ले लें, हालांकि सुप्रीम कोर्ट जाने का विकल्प खुला रखा गया है।

मेन्यू कार्ड पर अब नहीं चलेगा 'पनीर' का खेल

महाराष्ट्र में 'चीज एनालॉग' लिखना हुआ अनिवार्य

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में अब होटल और रेस्टोरेंट में 'पनीर' के शौकीनों के लिए एक बड़ी खबर है। 25 मार्च 2026 को विधानसभा में भाजपा विधायक विक्रम पाचपुते द्वारा उठाए गए मुद्दे के बाद, राज्य के अन्न एवं औषधि प्रशासन (FDA) ने मिलावटखोरी और भ्रामक जानकारी के खिलाफ एक ऐतिहासिक फैसला लिया है।अब अगर कोई रेस्टोरेंट असली दूध से बने पनीर या चीज की जगह 'चीज एनालॉग' का इस्तेमाल करता है, तो उसे मेन्यू कार्ड पर इसका स्पष्ट उल्लेख करना होगा।

चीज एनालॉग क्या बला है?

चीज एनालॉग असली डेयरी प्रोडक्ट नहीं है। यह वनस्पति तेल, सोया, नट्स या टैपिओका स्टार्च से बनाया जाता है। इसे असली पनीर जैसा स्वाद और बनावट देने के लिए कई तरह के इमल्सीफायर और फ्लेवर्स मिलाए जाते हैं। यह असली पनीर के मुकाबले काफी सस्ता होता है, इसलिए कई होटल मालिक मुनाफा कमाने के लिए ग्राहकों को धोखे में रखकर इसे परोसते हैं। विधायक विक्रम पाचपुते ने सदन में चिंता जताई कि चीज एनालॉग में बहुत अधिक मात्रा में वनस्पति तेल (Fat) होता है, जो दिल की सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकता है।

बजट सत्र का समापन

- विधानसभा में 197 घंटे का 'रिकॉर्ड' कामकाज
- हर दिन औसतन 10 घंटे चली सदन की कार्यवाही

दीपक पवार | मुंबई

महाराष्ट्र विधानमंडल का 2026 का बजट सत्र बुधवार, 25 मार्च को संपन्न हो गया। 23 फरवरी से शुरू हुए इस एक महीने के सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस, रिकॉर्ड तोड़ कामकाज और कई महत्वपूर्ण नीतिगत फैसलों की गवाह बनी। अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने जानकारी दी कि इस सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। सदन ने कुल 197 घंटे 27 मिनट तक प्रत्यक्ष काम किया, जो एक रिकॉर्ड है। औसतन हर दिन 9 घंटे 50 मिनट तक विधायक सदन में लोकहित के मुद्दों पर चर्चा करते रहे। सदस्यों की औसत उपस्थिति 78.84% रही, जो उनकी सक्रियता को दर्शाती है।

विधान परिषद में 143 घंटे 51 मिनट काम

उच्च सदन (विधान परिषद) में भी 20 बैठकों के दौरान 143 घंटे 51 मिनट काम हुआ। यहाँ का दैनिक औसत 7 घंटे 11 मिनट रहा। राम शिंदे ने बताया कि परिषद में 2,067 तारांकित प्रश्न प्राप्त हुए, जिनमें से कई पर सदन में विस्तार से चर्चा हुई। इसके अलावा 6 शोक प्रस्ताव और 1 अभिनंदन प्रस्ताव भी पारित किया गया।

कुल 22 सरकारी विधेयक पेश

सत्र के दौरान कुल 22 सरकारी विधेयकों को पेश किया गया और उन्हें मंजूरी के लिए आगे बढ़ाया गया। तारांकित प्रश्नों के माध्यम से विधायकों ने अपने निर्वाचन क्षेत्रों की समस्याओं को मजबूती से रखा। सत्र में कौशल विश्वविद्यालयों को मंजूरी और बुनियादी ढांचे के विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मुहर लगी।

पक्ष-विपक्ष की रस्साकशी

पूरे सत्र के दौरान सरकार और विपक्ष के बीच विकास कार्यों और नीतिगत निर्णयों पर तीखी असहमति भी देखने को मिली। विशेष रूप से विदर्भ और कोंकण के प्रोजेक्ट्स, कानून-व्यवस्था और किसानों के मुद्दों पर गहमागहमी रही, लेकिन अंतत: चर्चा के माध्यम से कई समाधान निकाले गए। बजट सत्र के समापन के साथ ही अगले मानसून सत्र की घोषणा कर दी गई है। महाराष्ट्र विधानमंडल का अगला सत्र 22 जून 2026 से मुंबई में आयोजित किया जाएगा।

राहत | लाडली बहनें अब बनेंगी बिज़नेस वुमन

महिलाओं को व्यवसाय शुरू करने को मिलेगा कर्ज

सरकारी महामंडलों की कर्ज योजनाओं से जुड़ेंगी लाभार्थी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार की 'लाडली बहन' योजना अब केवल मासिक आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसे महिलाओं के स्वावलंबन और उद्यमिता से जोड़ा जाएगा। बुधवार को विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की, जिसमें राज्य के विभिन्न विकास महामंडलों की कर्ज योजनाओं को एकीकृत करने का खाका पेश किया गया। वर्तमान में महाराष्ट्र में अलग-अलग वर्गों के लिए विभिन्न विकास महामंडल (जैसे वसंतराव नाईक विमुक्त जाति व घुमंतू जनजाति विकास महामंडल) काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि इन सभी महामंडलों की कर्ज योजनाओं को एक साथ लाकर 'लाडली बहन' योजना के लाभार्थियों से जोड़ा जाएगा। इससे महिलाओं को अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

1500 से लघु उद्योग का सपना

मुख्यमंत्री ने सदन में बताया कि सरकार लाडली बहन योजना के तहत जो 1500 रुपये प्रति माह दे रही है, उसका उद्देश्य केवल घरेलू खर्च चलाना नहीं है। कई महिलाओं ने इस छोटी सी बचत से पहले ही छोटे-मोटे काम शुरू कर दिए हैं। अब सरकार उन्हें बड़ा लोन दिलाकर उनके काम को विस्तार देने में मदद करेगी।

मुख्य सचिव को विशेष निर्देश

इस एकीकरण प्रक्रिया को अमली जामा पहनाने के लिए मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव (Chief Secretary) को निर्देश देने की बात कही है। सरकार का लक्ष्य एक ऐसी प्रणाली विकसित करना है जहाँ लाभार्थी महिला अपनी मासिक सहायता को 'मार्जिन मनी' के तौर पर इस्तेमाल कर बैंक या महामंडल से व्यवसाय के लिए बड़ा कर्ज प्राप्त कर सके।

विधायक अभिजीत वंजारी का सवाल

यह पूरा मामला कांग्रेस विधायक अभिजीत वंजारी द्वारा उठाए गए प्रश्न से शुरू हुआ। उन्होंने वसंतराव नाईक विकास महामंडल के माध्यम से सीधे कर्ज योजना शुरू करने की मांग की थी, ताकि वंचित वर्गों की महिलाओं को बिना किसी बिचौलिए के सीधा आर्थिक लाभ मिल सके। सरकार आवेदन प्रक्रिया को भी सरल बनाएगी।

सातारा एसपी के निलंबन पर ब्रेक

विशेषज्ञों की राय लेंगे सभापति राम शिंदे

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधान परिषद में सातारा एसपी तुषार दोशी के निलंबन को लेकर उठा विवाद अब कानूनी और संवैधानिक पेच में फंस गया है। सभापति राम शिंदे ने स्पष्ट किया है कि वे इस मामले में संविधान और कानून विशेषज्ञों की राय लेने के बाद ही अपना अंतिम फैसला सुनाएंगे।

क्या था पूरा विवाद?

सातारा जिला परिषद अध्यक्ष के चुनाव के दौरान मतदान के समय भारी हंगामा हुआ था। आरोप है कि इस दौरान मंत्रियों के साथ हाथापाई की स्थिति बनी। 23 मार्च को उपसभापति नीलम गोर्हे ने पुलिस की कथित ढिलाई को देखते हुए सातारा एसपी तुषार दोशी को तुरंत निलंबित करने का निर्देश दिया था। दिलचस्प बात यह रही कि जिस दिन उपसभापति ने निलंबन का आदेश दिया, उसी दिन दोपहर में सभापति राम शिंदे ने उस निर्देश पर रोक (Stay) लगा दी। बुधवार (25 मार्च) को जब सभापति ने सरकार से दोषी अधिकारियों पर उचित कार्रवाई की बात कही, तो मंत्रियों (शंभूराज देसाई और उदय सामंत) ने इस पर ऐतराज जताया, जिससे सदन में हंगामा हो गया।

न्यूज ब्रीफ

मानसून में टापू बन रहे स्कूल परिसर और छात्रों की सुरक्षा

भिवंडी। भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका की महासभा में वार्ड नंबर 15 की नगरसेविका रुक्साना आरिफ तांबोली ने स्कूल परिसरों में होने वाले जलभराव की समस्या को बेहद आक्रामक ढंग से उठाया। उन्होंने सदन का ध्यान स्कूल क्रमांक 57/60 और गौतम नारायण चौधरी स्कूल की दयनीय स्थिति की ओर खींचते हुए बताया कि हर साल मानसून में ये परिसर जलमग्न हो जाते हैं, जिससे छोटे बच्चों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। इस स्थिति के कारण न केवल बच्चों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है, बल्कि जलजमाव के डर से अभिभावक उन्हें स्कूल भेजने से कतराते हैं, जिसका सीधा असर उनकी शिक्षा पर पड़ रहा है। नगरसेविका ने प्रशासन से नालों की समय पर सफाई, जल निकासी की पुख्ता व्यवस्था और इस गंभीर समस्या के स्थायी समाधान के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने की पुरजोर मांग की है। अब देखना यह है कि प्रशासन शिक्षा के मंदिर को इस 'मानवीय आपदा' से बचाने के लिए कितनी तत्परता दिखाता है।

भ्रष्टाचार की भीषण आग में धधका प्लेजंट पार्क

विनय दूबे । भाईंदर

मीरा रोड के सिल्वर पार्क क्षेत्र में एक अवैध मंडप और फर्नीचर की दुकान में लगी भीषण आग ने एक बार फिर मीरा-भाईंदर नगर निगम (MBMC) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस अग्निकांड ने यह सिद्ध कर दिया है कि कुछ भ्रष्ट अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा अब निर्दोष शहरवासियों को भुगतना पड़ रहा है।

देर रात मची अफरा-तफरी, 30 फ्लैट आए चपेट में

दमकल विभाग के अनुसार, 24 मार्च की रात 8:55 बजे स्थानीय निवासी रितुजा वाघ ने सिल्वर पार्क फायर स्टेशन को आग की सूचना दी। जब तक अग्निशमन दल मौके पर पहुँचा, आग रौद्र रूप धारण कर चुकी थी। आग इतनी तीव्र थी कि आस-पास की 5 इमारतों के लगभग 25 से 30 फ्लैट इसकी चपेट में आ गए। 'रोशन' नामक इमारत के एक फ्लैट में दो एसी (AC) ब्लास्ट होने से पूरा घर खाक हो गया। गनीमत रही कि फ्लैट में रहने वाला परिवार अपने 10 महीने के बच्चे के साथ सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहा।

महापौर ने जारी किया 'कारण बताओ' नोटिस

घटना के बाद महापौर डिंपल मेहता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर संवेदना व्यक्त की और कहा कि अवैध निर्माणों को संरक्षण देने वाले अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रभाग क्रमांक 6 की अधिकारी प्रियंका भोसले को तलब कर उन्हें 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया गया है।

भारी मशक्कत के बाद सुबह तक बुझी आग

आग की भयावहता को देखते हुए 4 अलग-अलग फायर स्टेशनों से अतिरिक्त दमकल गाड़ियां और जवानों को बुलाया गया। रात 11:30 बजे तक आग पर काबू पाया जा सका, जिसके बाद कूलिंग प्रक्रिया शुरू की गई और सुबह 4 बजे तक आग पूरी तरह बुझाई गई। आयुक्त राधाबिनोद ए. शर्मा (IPS) ने स्वयं स्थिति पर नजर रखी। इस अभियान में कुल 10 दमकल गाड़ियां, 13 अधिकारी और 40 कर्मचारी तैनात रहे।

जांच में अवैध भंडारण का खुलासा

जांच के दौरान पाया गया कि खुले स्थान पर रखे मंडप के सजावट सामान और भारी मात्रा में फर्नीचर के कारण आग ने इतना विकराल रूप लिया। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान हुआ है। अब गेंद महापौर डिंपल मेहता और आयुक्त के पाले में है कि वे इन लापरवाह अधिकारियों पर क्या कार्रवाई करते हैं।

चेतावनी के बाद भी नहीं जागा प्रशासन (बॉक्स समाचार)

MBMC के अग्निशमन विभाग के एक पत्र ने प्रभाग क्रमांक 6 के अधिकारियों के भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। विभाग ने 23 दिसंबर 2025 को ही वार्ड अधिकारी को पत्र लिखकर क्षेत्र के 13 'हॉट स्पॉट' की पहचान की थी, जिनमें प्लेजंट पार्क का आत्माराम कम्पाउंड और वेलकम फर्नीचर शामिल थे। पत्र में इन अवैध निर्माणों पर कार्रवाई के निर्देश थे, लेकिन अधिकारियों ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। यदि समय रहते कार्रवाई होती, तो शायद यह हादसा टल सकता था।

13 'अति-गंभीर' मामलों में शामिल अधिकारी भेजे जाएंगे जबरन छुट्टी पर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने पुणे विभाग में हुए जमीन राजस्व घोटाले पर कड़ा रुख अपनाते हुए विधान परिषद में एक बड़ी घोषणा की है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र जमीन राजस्व कानून की धारा-155 और अन्य प्रावधानों का दुरुपयोग करने वाले 13 अति-गंभीर (अ वर्ग) मामलों में लिप्त अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से जबरन छुट्टी पर भेजा जाएगा। पुणे विभाग में कुल 38,027 मामलों की गहन जांच की गई थी, जिसमें से 424 मामलों में अनियमितताएं पाई गई हैं। इनमें 'अ' वर्ग के 13 अति-गंभीर मामलों के अलावा, 'ब' वर्ग के 247 गंभीर और 'क' वर्ग के 164 छोटे स्तर के मामले शामिल हैं। इन सभी दोषी अधिकारियों को 15 दिन का नोटिस थमाया जाएगा, जिसके बाद निलंबन या फौजदारी कार्रवाई की जाएगी।

राजस्व इतिहास का सबसे बड़ा फर्जीवाड़ा

राजस्व मंत्री ने इस घोटाले को विभाग के इतिहास का सबसे बड़ा फर्जीवाड़ा करार दिया है। उन्होंने खुलासा किया कि भ्रष्ट अधिकारियों ने धारा-155 का बेजा इस्तेमाल कर किसानों की 'वर्ग-1' की कीमती जमीन को 'वर्ग-2' में बदल दिया, मालिकाना हक में हेरफेर की, जमीन के आधिकारिक क्षेत्र को घटाया-बढ़ाया और यहां तक कि असली मालिकों के नाम ही दस्तावेजों से गायब कर दिए। बावनकुले ने स्पष्ट किया कि जांच का दायरा अब केवल पुणे तक सीमित नहीं रहेगा; अगले छह महीनों में राज्य के बाकी सभी विभागों में भी इसी तरह की जांच की जाएगी। इस प्रक्रिया के बाद, जिन किसानों की जमीनें अवैध रूप से हड़पी गई हैं, उन्हें वापस लौटाया जाएगा और इसकी विस्तृत रिपोर्ट सदन में पेश की जाएगी। भविष्य में इस तरह के सत्ता के दुरुपयोग को रोकने के लिए सरकार ने कानूनी बदलाव का मन बना लिया है। मंत्री बावनकुले ने घोषणा की है कि महाराष्ट्र जमीन राजस्व कानून की धारा-155 के दुरुपयोग पर लगाम लगाने के लिए आगामी मानसून अधिवेशन में एक संशोधन विधेयक पेश किया जाएगा।

ग्रामीण विकास के लिए खुला खज़ाना

ठाणे जिला परिषद का 100 करोड़ से अधिक का बजट पेश

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे जिला परिषद ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अपना मूल बजट और 2025-26 का संशोधित बजट बुधवार, 25 मार्च 2026 को पेश किया। बी. जे. हाई स्कूल के ऑडिटोरियम में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी वैजनाथ बुरडकर ने प्रशासक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव को बजट की प्रति सौंपी। यह बजट ठाणे के ग्रामीण इलाकों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, शिक्षा के स्तर को सुधारने और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाने के संकल्प के साथ पेश किया गया है।

पांच सिद्धांतों पर आधारित आत्मनिर्भर विजन

मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव ने बजट की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि यह केवल फंड आवंटन का दस्तावेज नहीं, बल्कि ग्रामीण नागरिकों को सक्षम और सुरक्षित बनाने का एक रोडमैप है। उन्होंने कहा कि बजट को पांच मुख्य सिद्धांतों—व्यापक ग्रामीण विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व स्वास्थ्य, जल सुरक्षा, सामाजिक सशक्तिकरण और डिजिटल पारदर्शिता—के आधार पर तैयार किया गया है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और शिक्षा को मिली सर्वोच्च प्राथमिकता

बजट में सबसे बड़ा हिस्सा निर्माण विभाग को आवंटित किया गया है। ग्रामीण बुनियादी ढांचे को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए 19.87 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं, शिक्षा विभाग को 11.36 करोड़ रुपये और प्राथमिक स्कूलों की मरम्मत के लिए अतिरिक्त 2.08 करोड़ रुपये दिए गए हैं। प्रशासन का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों को आधुनिक बनाना और सड़कों व अन्य सार्वजनिक संपत्तियों का जाल बिछाना है ताकि शहरी और ग्रामीण विकास के बीच के अंतर को कम किया जा सके।

दो से अधिक संतान होने के कारण नगरसेवक भरत भोईर का पद निलंबित

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई महानगरपालिका के प्रभाग क्रमांक 14D (14 गांव) के नगरसेवक भरत कृष्णा भोईर को एक बड़े कानूनी झटके का सामना करना पड़ा है। बेलापुर स्थित सिविल न्यायालय (वरिष्ठ विभाग) ने उनके चुनाव के विरुद्ध दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए उनके नगरसेवक पद को अगले आदेश तक निलंबित कर दिया है। न्यायालय का यह अंतरिम आदेश महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम, 1949 की धारा 10(1)(ज) के तहत 'दो-बच्चे के नियम' के उल्लंघन के आधार पर आया है, जो चुनावी शुचिता और नियमों के कड़े पालन की ओर संकेत करता है।

कट-ऑफ तिथि के बाद तीसरे बच्चे का जन्म बना आधार

मामले की जड़ में याचिकाकर्ता सविता देविदास लगाडे द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेजी साक्ष्य हैं। याचिका के अनुसार, नगरसेवक भोईर के तीसरे बच्चे का जन्म 17 फरवरी 2002 को हुआ था, जबकि नियम के अनुसार अयोग्यता की कट-ऑफ तिथि 12 सितंबर 2001 निर्धारित है। याचिकाकर्ता ने अपने दावे की पुष्टि के लिए अस्पताल के रिकॉर्ड, जन्म पंजी रजिस्टर और महानगरपालिका के आधिकारिक दस्तावेज पेश किए हैं। हालांकि, प्रतिवादी भोईर ने 10 मई 2001 की जन्मतिथि वाला एक अन्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया है, जिसे न्यायालय ने प्रथमदृष्टया संदिग्ध माना है।

प्रशासनिक शक्तियों पर रोक और साक्ष्यों को सील करने का निर्देश

साक्ष्यों के साथ सभावंत छेड़छाड़ और मामले की गंभीरता को देखते हुए, न्यायालय ने एकतरफा (ex parte) अंतरिम राहत प्रदान की है। इसके तहत भरत भोईर को किसी भी प्रकार के प्रशासनिक या नीतिगत निर्णय लेने से तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। साथ हां, अदालत ने संबंधित अधिकारियों को मूल जन्म अभिलेखों और डिजिटल रिकॉर्ड को सील कर सुरक्षित रखने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 8 अप्रैल 2026 को तय की गई है, जिसमें प्रतिवादी को अपना पक्ष रखना होगा।

एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड ने पकड़ी करोड़ों की खेप

4.12 करोड़ की एमडी ड्रग्स जब्त, 3 तस्कर गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल ने शहर को 'ड्रग-मुक्त' बनाने की दिशा में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। 4 करोड़ 12 लाख रुपये की भारी-भरकम कीमत वाली एमडी (MD) ड्रग्स के साथ तीन तस्करों को सलाखों के पीछे भेजा गया है। एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड के प्रमुख गिरीश पाटिल को 23 मार्च 2026 की शाम एक विश्वसनीय सूचना मिली थी। इसके तुरंत बाद पुलिस टीम ने एमटीएनएल (MTNL) चरई इलाके में घेराबंदी की। शाम करीब 7 बजे पुलिस ने संदिग्ध हालत में दो युवकों को पकड़ा, जिनकी तलाशी लेने पर करोड़ों की ड्रग्स बरामद हुई। पुलिस ने मौके से सोहेल दिलीप खान (26) और रोहित विलास सीतापुरे (21) को गिरफ्तार किया। इनके पास से 1 किलो 56 ग्राम एमडी पाउडर मिला, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 4 करोड़ 12 लाख 40 हजार रुपये आंकी गई है। नौपाड़ा पुलिस स्टेशन में इनके खिलाफ एनडीपीएस (NDPS) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सप्लायर और खरीदार की तलाश

पकड़े गए आरोपियों से कड़ी पूछताछ और उनके पिछले रिकॉर्ड खंगालने के बाद, पुलिस ने इस नेटवर्क के तीसरे साथी राजेश हदावले (23) को भी कोपरी इलाके से दबोच लिया। ठाणे कोर्ट ने तीनों आरोपियों को 28 मार्च 2026 तक पुलिस रिमांड में भेज दिया है। अब पुलिस की जांच का मुख्य फोकस इस बात पर है कि इतनी बड़ी मात्रा में ड्रग्स कहाँ से लाई गई थी? पुलिस उस 'मास्टरमाइंड' की तलाश कर रही है जिसने यह खेप मुहैया कराई और उन लोगों की भी पहचान की जा रही है जिन्हें यह बेची जानी थी। ठाणे पुलिस इसे एक बड़े सिंडिकेट का हिस्सा मान रही है। ठाणे पुलिस आयुक्त के आदेश पर शहर भर में 'नशा मुक्त अभियान' चलाया जा रहा है। पुलिस ने ठाणे निवासियों से अपील की है कि अगर उन्हें ड्रग्स की बिक्री, स्टोरेज या इस्तेमाल के बारे में कोई भी जानकारी मिले, तो वे तुरंत एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड या क्राइम ब्रांच को सूचित करें। सूचना देने वाले का नाम पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा।

पानी की लाइन को लेकर विवाद में लूम मैनेजर की पिटाई

5 नामजद समेत अन्य पर केस दर्ज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के भोईवाडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले धोबी तलाव इलाके में पानी की लाइन जोड़ने के मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस घटना में एक 22 वर्षीय युवक के साथ मारपीट की गई, जिसके बाद पुलिस ने पांच मुख्य आरोपियों और उनके अन्य साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पानी की लाइन देने से इनकार पर भड़का विवाद

पुलिस के अनुसार, यह घटना 23 मार्च 2026 की रात करीब 10 बजे असमा कॉम्प्लेक्स (उमर मस्जिद के पास) में हुई। शिकायतकर्ता हमजा मोहम्मद वसीम शेख, जो पेशे से लूम मैनेजर हैं, अपने आवासीय परिसर में मौजूद थे। बताया जा रहा है कि पास की एक इमारत में पानी की लाइन जोड़ने को लेकर दो पक्षों के बीच तीखी बहस चल रही थी। जब सोसाइटी के सदस्यों ने लाइन देने से मना किया, तो दूसरे पक्ष के लोग हंगामा करने लगे।

बीच-बचाव करने पर युवक पर टूटा कहर

विवाद बढ़ता देख हमजा शेख ने वहां मौजूद भीड़ को हटने और शांति बनाए रखने के लिए कहा। आरोप है कि इससे नाराज होकर सलमान अंसारी, यासीन, दानिश, राशीद और नसीम सहित उनके अन्य साथियों ने हमजा को घेर लिया। आरोपियों ने युवक के साथ सरेआम गाली-गलौज की और लात-घूंसों से उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे वह घायल हो गया।

पुलिस की कार्रवाई और जांच जारी

घटना के बाद पीड़ित हमजा शेख ने भोईवाडा पुलिस स्टेशन पहुँचकर आपबीती सुनाई। पुलिस ने पांचों नामजद आरोपियों और अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक नवनाथ रुपवते कर रहे हैं। फिलहाल इलाके में तनावपूर्ण शांति है और पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

किसान के घर में जबरन घुसने की कोशिश

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

कोनगांव शहर के कोनगांव इलाके में तड़के तीन अज्ञात हथियारबंद बदमाशों द्वारा एक किसान के घर में जबरन घुसने की कोशिश का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 23 मार्च 2026 की सुबह करीब 3:30 बजे पिंपळास रोड स्थित प्रियंका अपार्टमेंट (धर्मानिवास) में हुई। शिकायतकर्ता मच्छिंद्र कान्हा नाईक (49), जो पेशे से किसान हैं, अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। तभी तीन अज्ञात आरोपी लोहे की रॉड (टॉमी), पहार और लकड़ी के डंडे जैसे घातक हथियारों के साथ उनके घर के बाहर पहुंचे। आरोपियों ने संगठित होकर घर के मुख्य दरवाजे को तोड़ने का हिंसक प्रयास किया। गनीमत रही कि मजबूती के कारण या किसी अन्य आहट की वजह से बदमाश घर के भीतर दाखिल होने में सफल नहीं हो सके और मौके से फरार हो गए। शोर सुनकर जागे परिजनों ने तुरंत इस घटना की सूचना पुलिस को दी।

पुलिस जांच और सीसीटीवी फुटेज की तलाश

मच्छिंद्र नाईक की शिकायत पर कोनगांव पुलिस स्टेशन में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। सहायक पुलिस निरीक्षक वैभव चुबळे के नेतृत्व में जांच टीम इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

व्यापारी की नींद का फायदा उठा चोर ने उड़ाए 1.76 लाख रुपये

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे रेलवे स्टेशन पर एक बार फिर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। अहिल्यानगर जिले के राहुरी निवासी एक व्यापारी, प्रसाद गाड़े (46), जो व्यापार के सिलसिले में वाशी आए थे, चोरी का शिकार हो गए। यह घटना 25 मार्च की तड़के की है, जब व्यापारी अपने गांव लौटने के लिए ठाणे स्टेशन पहुंचे थे। अज्ञात चोर के खिलाफ ठाणे रेलवे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस स्टेशन की सीनियर इंस्पेक्टर अर्चना दुसाने की देखरेख में मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पीड़ित प्रसाद गाड़े भूसा और इमली के व्यापार से जुड़े हैं। 24 मार्च को वाशी बाजार में अपना व्यापार निपटाने के बाद, उन्होंने व्यापारियों से बकाया 1 लाख 76 हजार रुपये नगद लिए और उसे अपने काले बैग में रख लिया। 25 मार्च की सुबह करीब 12:30 बजे वे प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। थकान के कारण उन्हें नींद आ गई, जिसका फायदा उठाकर अज्ञात चोर ने उनका पैसों से भरा बैग गायब कर दिया।

शिक्षक के घर में फिल्मी अंदाज में चोरी

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

कोनगांव थाना क्षेत्र के पिंपळास गांव में विश्वासघात और चोरी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। एक परिचित दंपत्ति पर घर में घुसकर परिवार को अपनी बातों में उलझाने और अलमारी से साढ़े बारह लाख रुपये की नकदी साफ करने का आरोप लगा है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 28 फरवरी 2026 की शाम करीब 8:00 बजे के आसपास हुई। शिकायतकर्ता बालू दत्तू सुतार (53), जो पेशे से शिक्षक हैं, ने पिंपळास निवासी अक्षय काळीराम म्हस्के और उसकी पत्नी कोमल म्हस्के के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि जब यह दंपत्ति सुतार के घर पहुँचा, तो कोमल ने बालू सुतार की पत्नी छाया और बेटी समीधा को अपनी बातों में बुरी तरह उलझा लिया।

नजर बचाकर अलमारी से निकाले नकदी

जब परिवार का ध्यान बातचीत में बँटा हुआ था, तभी अक्षय म्हस्के ने मौका पाकर हॉल में रखी अलमारी की चाबी उठा ली। उसने बेडरूम में जाकर लोहे की अलमारी का लॉकर खोला और उसमें रखे कुल 13 लाख रुपयों में से 12.5 लाख रुपये निकाल लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों बड़ी ही चतुराई से वहां से निकल गए। नकदी गायब होने का पता चलने पर पीड़ित परिवार के होश उड़ गए। कोनगांव पुलिस ने इस मामले में अपराध क्रमांक 84/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक महेंद्र सपकाळे कर रहे हैं।

समझौते के बहाने बुलाकर महिला शिक्षिका से दुष्कर्म

आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

शांतिनगर भिवंडी के शांतिनगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक महिला शिक्षिका के साथ दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, जो फिलहाल फरार बताया जा रहा है।

सात वर्षों से चल रहा था अदालती विवाद

पुलिस के अनुसार, 33 वर्षीय पीड़िता भिवंडी के गैबीनगर इलाके की निवासी हैं और पेशे से शिक्षिका हैं। शिकायत में बताया गया है कि पीड़िता और आरोपी अरकम अफजल खान पिछले सात वर्षों से अलग रह रहे हैं। दोनों के बीच कानूनी विवाद चल रहा है और मामला वर्तमान में अदालत में लंबित है। आरोप है कि 12 मार्च 2026 को आरोपी अरकम ने आपसी समझौते की बात करने के बहाने पीड़िता को फोन किया और उसे नाशिक रोड स्थित शानदार मार्केट में अपने कार्यालय बुलाया। पीड़िता का आरोप है कि वहां आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती की और डरा-धमकाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

पुलिस की कार्रवाई और जांच जारी

घटना के बाद पीड़िता ने 24 मार्च 2026 को शांतिनगर पुलिस स्टेशन पहुँचकर आपबीती सुनाई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले की विस्तृत जांच पुलिस उपनिरीक्षक एस.एस. शिंदेसरनाईक द्वारा की जा रही है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें रवाना कर दी गई हैं और जल्द ही उसे हिरासत में ले लिया जाएगा।

उल्हासनगर का 997 करोड़ का 'पंचसूत्र' बजट पेश

स्मार्ट रोड और स्मार्ट स्कूलों पर ज़ोर
29 साल बाद बदला बजट पेश करने का तरीका, सीधे महापौर अश्विनी निकम को सौंपा गया लेखा-जोखा

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका (UMC) ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अपना मूल बजट प्रस्तुत कर दिया है, जिसमें 14.16 लाख की बचत का अनुमान लगाया गया है। इस वर्ष के बजट की सबसे खास बात इसकी प्रस्तुति की प्रक्रिया रही। शहर में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि 29 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद, प्रशासन ने सीधे महापौर को बजट सौंपा है।

आयुक्त द्वारा महापौर को सीधे बजट प्रस्तुति

बुधवार को आयोजित आम सभा में मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए बजट की प्रति सीधे महापौर अश्विनी निकम को सौंपी। प्रशासनिक ढांचे में स्थायी समिति की अनुपस्थिति के चलते नियमों के अनुसार यह निर्णय लिया गया। आयुक्त ने सदन को संबोधित करते हुए बताया कि यह बजट न केवल संतुलित है, बल्कि शहर की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। आयुक्त मनीषा अव्हाले ने स्पष्ट किया कि आगामी वर्ष का बजट 'पंचसूत्र' योजना पर आधारित है। इस योजना के तहत बुनियादी ढांचे के विकास, कम्प्यूटरीकरण, पर्यावरण अनुकूल परियोजनाओं, स्वास्थ्य और शिक्षा को प्राथमिकता दी गई है। बजट का मुख्य उद्देश्य उल्हासनगर को एक आधुनिक और स्मार्ट शहर के रूप में विकसित करना है।

कैग ने महाराष्ट्र PWD की रिपोर्ट में खोली पोल

सड़कों की 'मोटाई' में करोड़ों का खेल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षकने महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र के अंतिम दिन (25 मार्च 2026) राज्य के लोक निर्माण विभाग (PWD) की कार्यप्रणाली पर एक विस्फोटक रिपोर्ट पेश की है। रिपोर्ट में 'हाइब्रिड एन्यूइटी मॉडल' (HAM) के तहत सड़क निर्माण में 297.97 करोड़ की भारी वित्तीय अनियमितता और 'अनावश्यक' खर्च का खुलासा हुआ है। कैग ने वर्ष 2018-19 से 2022-23 के बीच के प्रोजेक्ट्स का ऑडिट किया। रिपोर्ट में पाया गया कि सड़कों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट वास्तविक यातायात के अनुमान के आधार पर नहीं बनाई गई। तकनीकी रूप से सड़क को जितना मजबूत और मोटा होना चाहिए था, उससे कहीं ज्यादा मोटाई का प्रावधान किया गया, जिससे बिना वजह 297.97 करोड़ ज्यादा खर्च हो गए। ऑडिट में एक चौंकाने वाली बात सामने आई कि 5.55 करोड़ का प्रावधान उन जमीनों के अधिग्रहण के लिए किया

जरूरत से ज्यादा मोटी बनाई गईं सड़कें, सरकारी खजाने पर 297.97 करोड़ का अतिरिक्त बोझ

गया, जो वास्तव में कभी अधिग्रहित की ही नहीं गईं। यानी कागजों पर जमीन ली गई और उसके बदले फंड का प्रावधान भी कर दिया गया। यह सीधे तौर पर प्रशासनिक भ्रष्टाचार या लापरवाही की ओर इशारा करता है। सरकारी ढिलाई का खामियाजा भी आम जनता को भुगतना पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार ने समय पर फंड जारी नहीं किया, जिससे ठेकेदारों की किस्तों (Annuity) में देरी हुई। इस देरी की वजह से सरकार को जुर्माने के तौर पर 4.65 करोड़ का अतिरिक्त ब्याज चुकाना पड़ा, जिसे आसानी से बचाया जा सकता था।

बीमा और रखरखाव में सेटिंग की आशंका

सड़कों के रखरखाव और उनके बीमा के नाम पर भी धांधली पाई गई। कागजों में बीमा प्रीमियम की राशि को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया, जबकि असल प्रीमियम काफी कम था। इस 'कागजी हेरफेर' से सरकारी खजाने को 34.56 करोड़ का सीधा नुकसान हुआ है।

कैग की सख्त चेतावनी और सिफारिशें

भविष्य में ऐसी लूट को रोकने के लिए कैग ने तीन मुख्य सुझाव दिए हैं कि प्रोजेक्ट रिपोर्ट केवल तकनीकी जरूरतों और असली आंकड़ों पर आधारित हो। ब्याज के बोझ से बचने के लिए किस्तों का भुगतान समय पर किया जाए। बीमा और रखरखाव के खर्चों की जांच के लिए एक डिजिटल और पारदर्शी सिस्टम बनाया जाए।

ड्रीम्स मॉल का कायाकल्प, अब होगा पुनर्निर्माण

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई का चर्चित ड्रीम्स मॉल जल्द ही एक नए और आधुनिक स्वरूप में नजर आएगा। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT) के एक ऐतिहासिक आदेश के बाद मॉल के प्रबंधन से वधावन परिवार का पुराना इतिहास पूरी तरह मिटा दिया गया है। अब मॉल की कमान दुकानदारों के प्रतिनिधिमंडल वाली 8 सदस्यों की नई समिति के हाथों में है। इस नई समिति ने निर्णय लिया है कि जर्जर हो चुके और विवादों में घिरे पुराने ढांचे को हटाकर पूरे मॉल का पुनर्विकास किया जाएगा, जिसके लिए कागजी प्रक्रिया और 'कन्वेन्स' का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है। पिछले पांच वर्षों से बंद पड़ा ड्रीम्स मॉल वर्तमान में असामाजिक तत्वों, शराबियों और जुआरियों का सुरक्षित ठिकाना बन चुका

NCLT के आदेश के बाद वधावन परिवार का नियंत्रण समाप्त

है। स्थानीय भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक दलवी और नगरसेविका सच्ची दीपक दलवी ने प्रशासन को पत्र लिखकर शिकायत की है कि मॉल परिसर में अवैध गतिविधियों के साथ-साथ कई बार संदिग्ध शव भी बरामद हुए हैं। मॉल के भीतर सुरक्षा मानकों के गंभीर उल्लंघन के कारण कई बार आग लगने की घटनाएं भी हो चुकी हैं, जिससे यह क्षेत्र स्थानीय निवासियों के लिए एक बड़ा सिरदर्द बन गया है।

कोविड काल का वो काला अध्याय और अवैध अस्पताल

मॉल के इतिहास में सबसे दुखद घटना कोविड-19 के दौरान हुई थी, जब मॉल के भीतर बिना 'ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट' (OC) के चल रहे एक अस्पताल में भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में 11 मासूम लोगों की जान चली गई थी। जांच में खुलासा हुआ था कि विकासकर्ता ने न तो कोई सोसायटी गठित की थी और न ही नियमों का पालन किया था। संपत्ति कर, पानी और बिजली के बिलों का भुगतान न होने के कारण नगर निगम ने कोविड से पहले ही इसकी सेवाएं काट दी थीं।

8 सदस्यीय नई समिति संभालेगी कमान

एनसीएलटी और अदालत के हस्तक्षेप के बाद पुराने बोर्ड को भंग कर दिया गया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष और बोर्ड डायरेक्टर गुरदास चोपड़ेकर ने बताया कि अब 8 शॉप ऑनर्स (दुकानदारों) की कमेटी बनाई गई है। यह कमेटी न केवल कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करेगी, बल्कि मॉल के पुनर्निर्माण की पूरी योजना तैयार करेगी। पुराने प्रमोटरों के दखल को पूरी तरह समाप्त कर अब मालिकाना हक और प्रबंधन की शक्ति वास्तविक स्टेकहोल्डर्स यानी दुकानदारों को दे दी गई है। नई समिति की योजना उसी स्थान पर एक अत्याधुनिक मॉल डिजाइन करने की है, जिसमें सभी अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों और आधुनिक सुख-सुविधाओं का समावेश होगा।

ओशिवरा की बेशकीमती जमीन पर 20 साल बाद मालिकों की जीत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई के ओशिवरा स्थित 2,738 स्क्वायर मीटर भूमि के अधिग्रहण को लेकर महाराष्ट्र सरकार को बड़ा झटका दिया है। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की पीठ ने 73 वर्षीय मैथिल्डा जॉन कार्लोस और अन्य वारिसों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि केवल कागजों पर सरकारी नाम दर्ज होना जमीन के वास्तविक अधिग्रहण का सबूत नहीं है। अदालत ने कहा कि यदि सरकार 'शहरी भूमि सीमा अधिनियम' के तहत जमीन का भौतिक कब्जा लेने में विफल रहती है और इसी बीच कानून निरस्त हो जाता है, तो जमीन का मालिकाना हक मूल मालिकों का ही बना रहता है।

अदालत ने अपने फैसले में धारा 10(5) और 10(6) के महत्व को रेखांकित किया। पीठ ने कहा कि सरकार को जमीन का कब्जा लेने से पहले मालिकों को 30 दिन का नोटिस देना अनिवार्य था। इस मामले में सरकार ने 6 अक्टूबर 2006 को नोटिस भेजा और 3 नवंबर 2006 को कब्जा लेने का दावा किया, यानी मालिकों को पूरे 30 दिन का समय नहीं दिया गया। सुप्रीम कोर्ट के 'हरी राम केस' के नज़ीर का हवाला देते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि प्रक्रियात्मक चूक के कारण सरकार का कब्जा केवल 'कागजी' माना जाएगा, 'वास्तविक' नहीं।

सरकार की दलीलें खारिज

राज्य सरकार यह साबित करने में विफल रही कि उसने 29 नवंबर 2007 (निरसन अधिनियम लागू होने की तिथि) से पहले जमीन का भौतिक कब्जा लिया था। रिकॉर्ड के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी नोटिस की तामील (Service) साबित करने में भी असमर्थ रहा। अदालत ने कड़े शब्दों में कहा कि धारा 10(5) के तहत स्वैच्छिक समर्पण या धारा 10(6) के तहत जबरन बेदखली का कोई ठोस प्रमाण मौजूद नहीं है। ऐसे में याचिकाकर्ता 'निरसन अधिनियम' की धारा 3 के तहत अपनी जमीन वापस पाने के पूर्ण हकदार हैं।

नशामुक्त महाराष्ट्र के लिए जनआंदोलन की अपील

मंत्री संजय शिरसाट ने दिखाई 'नशामुक्ति दिंडी' को हरी झंडी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पर आयोजित 'नशामुक्ति दिंडी' को हरी झंडी दिखाते हुए युवाओं और नागरिकों से महाराष्ट्र को व्यसनमुक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी देश की असली संपत्ति है, लेकिन नशे की लत इसे बर्बाद कर रही है। इसे रोकने के लिए केवल सरकारी प्रयास काफी नहीं हैं, बल्कि समाज की सक्रिय भागीदारी से एक जनआंदोलन खड़ा करना अनिवार्य है।

सामाजिक न्याय और विशेष सहायता विभाग द्वारा आयोजित यह दिंडी गेटवे ऑफ इंडिया से शुरू होकर यशवंतराव चव्हाण केंद्र तक पहुँची। इस पदयात्रा में ढोल-ताशा पथक, लेजिम टीम, वारकरी, कोली समाज के प्रतिनिधि, NSS के छात्र और ब्रह्माकुमारीज़ सहित समाज के विभिन्न वर्गों ने हिस्सा लिया। 'शराब और तंबाकू छोड़ो, महाराष्ट्र को नशामुक्त बनाओ' के नारों के साथ युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले संगठनों और व्यक्तियों का राज्य स्तरीय सम्मान

इस अवसर पर मंत्री शिरसाट ने घोषणा की कि वर्ष 2020 से 2025 के बीच नशामुक्ति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संगठनों और व्यक्तियों को 'राज्य स्तरीय नशामुक्ति सेवा पुरस्कार' से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन पुरस्कार विजेताओं के कार्यों को पूरे महाराष्ट्र में प्रचारित किया जाएगा ताकि अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिल सके। विभाग के प्रधान सचिव हर्षदीप कांबले ने विश्वास जताया कि 'ड्रग-फ्री इंडिया' अभियान में महाराष्ट्र देश में प्रथम स्थान प्राप्त करेगा।

नासिक में हाउसिंग प्रोजेक्ट्स की होगी उच्च स्तरीय जांच

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने विधानसभा में घोषणा की है कि नासिक नगर निगम क्षेत्र में हाउसिंग प्रोजेक्ट्स में हुए बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की गहन जांच की जाएगी। हाउसिंग पॉलिसी के नियमानुसार, 4000 वर्ग मीटर से बड़े प्रोजेक्ट्स में 20 प्रतिशत घर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) और निम्न आय वर्ग (LIG) के लिए आरक्षित करना अनिवार्य है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि इस नियम का उल्लंघन करने वाले डेवलपर्स और इसमें शामिल अधिकारियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

विधायक देवयानी फरांडे द्वारा उठाए गए मुद्दे का जवाब देते हुए मंत्री बावनकुले ने बताया कि प्रारंभिक जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। कुछ डेवलपर्स ने सरकारी अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर फर्जी नक्शे, गलत गणना और जाली दस्तावेजों के आधार पर धोखाधड़ी की है। नियमों से बचने के लिए बड़े प्लॉट्स को छोटे-छोटे टुकड़ों में बांट दिया गया और एक ही दिन में उनके अप्रूवल भी ले लिए गए। इस साजिश के कारण शहर के गरीब तबके के लोग अपने हक के घरों से वंचित रह गए हैं।

दोषियों पर कसेगा शिकंजा

एक महीने में रिपोर्ट देगी विशेष जांच समिति

इस गंभीर घोटाले की निष्पक्ष जांच के लिए सरकार ने डिवीजनल कमिश्नर, जिला कलेक्टर और पुलिस कमिश्नर सहित वरिष्ठ अधिकारियों की एक विशेष समिति गठित की है। यह समिति नासिक के बिल्डरों के साथ-साथ नगर निगम और संबंधित सरकारी विभागों के भ्रष्ट अधिकारियों की भूमिका की भी जांच करेगी। मंत्री ने सदन को आश्वस्त किया कि यह कमेटी एक महीने के भीतर अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपेगी।

अजित पवार विमान हादसा

कर्नाटक में जीरो एफआईआर की रोहित पवार ने बताई वजह

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में हुई मृत्यु को दो महीने बीतने वाले हैं, लेकिन इस मामले में सियासी पारा अभी भी गर्म है। उनके भतीजे और विधायक रोहित पवार ने इस दुर्घटना को एक 'सोची-समझी साजिश' करार देते हुए जांच की मांग तेज कर दी है। रोहित पवार का आरोप है कि जब अजित पवार जीवित थे, तब उनके घर के बाहर 'काला जादू' तक किया गया था। इन दावों ने राज्य की राजनीति में खलबली मचा दी है, जिससे यह कानूनी मामला अब एक बड़े राजनीतिक विवाद का रूप ले चुका है।

मुंबई से दिल्ली और फिर कर्नाटक: एफआईआर की लंबी लड़ाई

रोहित पवार ने खुलासा किया है कि विमान हादसे की निष्पक्ष जांच के लिए उन्होंने महाराष्ट्र में हर दरवाजा खटखटाया, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। उन्होंने बताया कि मुंबई, बारामती और सीआईडी के पास जाने के बावजूद कहीं भी 'जीरो एफआईआर' दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने दिल्ली का रुख किया और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। रोहित के अनुसार, उन्हें सलाह दी गई कि वे किसी ऐसे राज्य में शिकायत दर्ज कराएं जहां उन्हें न्याय मिल सके। इसी क्रम में कर्नाटक के बेंगलुरु में मामले की 'जीरो एफआईआर' दर्ज कराई गई है, जिसे अब बारामती पुलिस को जांच के लिए आधार बनाया जाएगा।

117 करोड़ का मनी लॉन्ड्रिंग मामला

कारोबारी अमित थेपड़े की जमानत याचिका खारिज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

विशेष पीएमएलए (PMLA) अदालत ने 117 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पुणे के व्यवसायी अमित थेपड़े को राहत देने से इनकार कर दिया है। न्यायाधीश आर.बी. रोटे ने जमानत याचिका को खारिज करते हुए कड़ी टिप्पणी की कि आर्थिक अपराध केवल व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि 'देश की आर्थिक सेहत के लिए एक गंभीर खतरा' हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ED) द्वारा प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत दर्ज किए गए बयान और जुटाए गए सबूत आरोपी के खिलाफ एक बेहद 'मजबूत केस' की ओर इशारा करते हैं, जिससे इस स्तर पर जमानत देना न्यायोचित नहीं होगा।

जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि अमित थेपड़े पिछले सात महीनों से हिरासत में हैं और उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध से जोड़ने वाले 'पर्याप्त और ठोस सबूत' मौजूद हैं। न्यायाधीश ने अपने फैसले में जोर दिया कि अपराध की व्यापकता और इसमें आरोपी की मुख्य भूमिका को देखते हुए समाज का हित व्यक्तिगत स्वतंत्रता से ऊपर है। अदालत के अनुसार, ऐसे वित्तीय घोटालों का समाज और बैंकिंग प्रणाली पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, इसलिए मामले की संजीदगी को देखते हुए आवेदक किसी भी प्रकार की रियायत का हकदार नहीं है। अमित थेपड़े, जो पुणे स्थित 'गैलेक्सी कंस्ट्रक्शन एंड कॉन्ट्रैक्टर्स' और 'मित्सोम इंटरप्राइजेज' के प्रमोटर हैं, को ईडी ने 24 अगस्त 2025 को गिरफ्तार किया था। यह पूरी कार्रवाई सीबीआई (CBI) द्वारा 2022 में दर्ज की गई एफआईआर पर आधारित है।

पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न विशेष ट्रेनों के फेरे बढ़ाए गए

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	चलने के दिन	अवधि बढ़ाई गई
09057	सूरत – मंगलुरु जंक्शन (द्वि-साप्ताहिक)	बुधवार और रविवार	31.05.2026
09058	मंगलुरु जंक्शन – सूरत (द्वि-साप्ताहिक)	गुरुवार और सोमवार	01.06.2026
09049	दादर – भुसावल (साप्ताहिक)	शुक्रवार	31.07.2026
09050	भुसावल – दादर (साप्ताहिक)	शुक्रवार	31.07.2026
09051	दादर – भुसावल (त्रि-साप्ताहिक)	सोमवार, बुधवार और शनिवार	29.07.2026
09052	भुसावल – दादर (त्रि-साप्ताहिक)	सोमवार, बुधवार और शनिवार	29.07.2026
09111	वडोदरा – गोरखपुर (साप्ताहिक)	सोमवार	27.07.2026
09112	गोरखपुर – वडोदरा (साप्ताहिक)	बुधवार	29.07.2026
09195	वडोदरा – मऊ (साप्ताहिक)	शनिवार	25.07.2026
09196	मऊ – वडोदरा (साप्ताहिक)	रविवार	26.07.2026
09424	अहमदाबाद – मंगलुरु जंक्शन (साप्ताहिक)	शुक्रवार	29.05.2026
09423	मंगलुरु जंक्शन – अहमदाबाद (साप्ताहिक)	शनिवार	30.05.2026
09324	इंदौर – खड़की (पुणे) (साप्ताहिक)	बुधवार	29.07.2026
09323	खड़की (पुणे) – इंदौर (साप्ताहिक)	गुरुवार	30.07.2026

समय, ठहराव (स्टॉपेज) और डिब्बों (कोच संरचना) की विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in वेबसाइट पर जाएं।

ट्रेन नंबर 09057, 09049, 09051, 09111, 09195 और 09324 की बढ़ाई गई सेवाओं की बुकिंग 27.03.2026 से शुरू होगी। जबकि ट्रेन नंबर 09424 की बुकिंग 26.03.2026 से शुरू होगी। बुकिंग सभी PRS काउंटर और IRCTC वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। ये सभी ट्रेनें स्पेशल किराया (Special Fare) के साथ विशेष ट्रेन (Special Train) के रूप में चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us & Follow us on:
facebook.com/WesternRly
X.com/WesternRly
Instagram.com/WesternRly
https://www.youtube.com/@WesternRly
https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ रखना अनिवार्य है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण
- सार्वजनिक सूचना-

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्ष संरक्षण एवं संवर्धन अधिनियम, 1975 (24 जनवरी 2021 संशोधित) की धारा 8(3)(क) के अनुसार, **परिमंडल 3** में **के/दक्षिण** विभाग के **2** प्रस्ताव, के/उत्तर विभाग का **1** प्रस्ताव और **एच/प** विभाग का **1** प्रस्ताव, इस प्रकार **कुल** 4 प्रस्तावों को धारा 8(6) के अंतर्गत नगर निगम आयुक्त एवं वृक्ष प्राधिकरण समिति के अध्यक्ष की मंजूरी प्राप्त हुई है।

इन प्रस्तावों में पेड़ों को काटने या पुनःरोपण (स्थानांतरण) से संबंधित विवरण शामिल हैं। इसका विस्तृत विवरण **mcgm.gov.in** बृहन्मुंबई महानगरपालिका जानकारी पुस्तिका उद्यान एवं वृक्ष प्राधिकरण विभाग 21 दिनों की वृक्ष अनुमति' संबंधित प्रस्ताव क्रमांक 476 (के/दक्षिण), 477 (के/दक्षिण), 478 (के/उत्तर), 479 (एच/प) हैं।

कार्यालय का पता:
उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी का कार्यालय,
वीरमाता जिजाबाई भोसले उद्यान व प्राणिसंग्रहालय,
दूसरी मंजिल, पेंगुइन कक्ष,
संत सावता माली मार्ग, भायखला (पूर्व), मुंबई – 400027
दूरभाष: 23742162
ईमेल: dvsg.ta@mcgm.gov.in

हस्ता.
उद्यान अधीक्षक
एवं वृक्ष अधिकारी

पीआरओ/3400/विज्ञा./2025-26

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

संपादकीय

राम युद्ध और शांति

रामनवमी केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आदर्शों की पुनर्स्मृति का अवसर है। यह वह दिन है जब मर्यादा, न्याय, धैर्य और करुणा के प्रतीक भगवान राम के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज अपने मार्ग को पुनः परिभाषित करता है। आज जब विश्व के कई हिस्से तनाव, युद्ध और अस्थिरता से जूझ रहे हैं—विशेषकर पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े संघर्षों के संदर्भ में—रामनवमी का संदेश और भी प्रासंगिक हो उठता है। भगवान राम का जीवन केवल एक राजा की कथा नहीं, बल्कि नैतिक नेतृत्व का आदर्श उदाहरण है। उन्होंने शक्ति का उपयोग केवल धर्म की स्थापना और समाज के संरक्षण के लिए किया, न कि वर्चस्व या विस्तार के लिए। आज वैश्विक राजनीति में यही संतुलन सबसे अधिक आवश्यक है। ईरान और उसके आसपास के क्षेत्रों में चल रहे तनाव, चाहे वह प्रत्यक्ष युद्ध के रूप में हो या प्रॉक्सी संघर्षों के रूप में, यह दिखाते हैं कि शक्ति के असंतुलित प्रयोग से शांति नहीं, बल्कि अस्थिरता ही जन्म लेती है। राम का दृष्टिकोण संवाद, संयम और न्याय पर आधारित था। लंका विजय से पहले भी उन्होंने रावण को कई अवसर दिए, यह दर्शाने के लिए कि युद्ध अंतिम विकल्प होना चाहिए, पहला नहीं। आज जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर संवाद की जगह अक्सर आक्रामक बयानबाज़ी ले लेती है, तब राम का यह दृष्टिकोण हमें सिखाता है कि कूटनीति, धैर्य और परस्पर सम्मान ही स्थायी शांति की नींव रख सकते हैं। ईरान से जुड़े वर्तमान भू-राजनीतिक संकटों में भी यही सिद्धांत लागू होते हैं। क्षेत्रीय शक्तियों के बीच अविश्वास, परमाणु कार्यक्रमों को लेकर चिंताएँ, और बाहरी हस्तक्षेप—ये सभी मिलकर एक जटिल स्थिति पैदा करते हैं। यदि इन समस्याओं का समाधान केवल सैन्य दृष्टिकोण से खोजा जाएगा, तो परिणाम और अधिक विनाशकारी हो सकते हैं। इसके विपरीत, यदि राम के आदर्शों—धर्म, सत्य और करुणा—को नीति-निर्माण में स्थान दिया जाए, तो संवाद और समझौते के रास्ते खुल सकते हैं। रामराज्य की कल्पना केवल समृद्धि तक सीमित नहीं थी; वह न्यायपूर्ण और समावेशी समाज का प्रतीक थी। आज वैश्विक शांति भी तभी संभव है जब सभी राष्ट्रों की संप्रभुता और गरिमा का सम्मान किया जाए। किसी भी देश को अलग-थलग करना या उस पर अत्यधिक दबाव डालना, दीर्घकालिक समाधान नहीं दे सकता। इसके बजाय सहयोग, आर्थिक साझेदारी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे उपाय अधिक प्रभावी सिद्ध हो सकते हैं। रामनवमी का यह संदेश हमें यह भी याद दिलाता है कि शांति केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाजों की भी है। जब तक आम नागरिकों के बीच आपसी समझ, सहिष्णुता और संवाद नहीं बढ़ेगा, तब तक राजनीतिक स्तर पर किए गए प्रयास भी सीमित प्रभाव ही डाल पाएंगे। मीडिया, शिक्षा और नागरिक समाज को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। आज की दुनिया में तकनीक और सूचना का तेज़ प्रवाह एक ओर जहाँ अवसर प्रदान करता है, वहीं दूसरी ओर गलतफहमियों और प्रचार को भी बढ़ावा देता है। ऐसे में राम के सत्य और पारदर्शिता के सिद्धांत और भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं। सही जानकारी, निष्पक्ष विश्लेषण और जिम्मेदार संवाद ही तनाव को कम करने में सहायक हो सकते हैं। अंततः, रामनवमी हमें यह सोचने का अवसर देती है कि क्या हम शक्ति और अहंकार के मार्ग पर चलकर वैश्विक शांति प्राप्त कर सकते हैं, या हमें राम के आदर्शों—संयम, न्याय और करुणा—को अपनाना होगा। ईरान सहित विश्व के सभी संघर्ष क्षेत्रों के लिए यह एक महत्वपूर्ण संदेश है कि स्थायी शांति केवल हथियारों से नहीं, बल्कि विश्वास और संवाद से स्थापित होती है।

स्वस्थ शरीर के लिए मानसिक निर्मलता की अनिवार्यता

डॉक्टर बबलू सोनकर
प्रांतीय चिकित्सा सेवा
उत्तर प्रदेश

मानव शरीर और मन के बीच एक गहरा 'गट-ब्रेन एक्सिस' (Gut-Brain Axis) काम करता है। आयुर्वेद में कहा गया है कि सभी रोगों की जड़ 'मंदाग्नि' है, और आधुनिक शोध बताते हैं कि चिंता और तनाव सीधे तौर पर हमारे पाचन तंत्र को प्रभावित करते हैं। जब मन अशांत होता है, तो वह पेट के लाभकारी बैक्टीरिया को नष्ट कर देता है, जिससे चिड़चिड़ापन, थकान और दीर्घकालिक बीमारियाँ जन्म लेती हैं। ईर्ष्या और घृणा जैसे नकारात्मक भाव यकृत (Liver) पर वैसा ही प्रभाव डालते हैं जैसा कि अत्यधिक मदिरापान। वहीं दूसरी ओर, प्रेम, क्षमा और कृतज्ञता (Gratitude) का भाव मस्तिष्क में 'डोपामाइन' और 'ऑक्सीटोसिन' जैसे 'हैप्पी हार्मोन्स' का संचार करता है, जो प्राकृतिक दर्द निवारक का कार्य करते हैं और धमनियों को लचीला बनाए रखते हैं। आज के प्रतिस्पर्धात्मक समाज में मन को 'चंगा' रखना एक बड़ी चुनौती है, लेकिन असंभव नहीं।

भारतीय अध्यात्म का कालजयी सूत्र है—'मन चंगा तो कठौती में गंगा'। यह केवल एक कहावत नहीं, बल्कि जीवन जीने का वह उच्चतम दर्शन है जो बताता है कि बाह्य परिस्थितियां और भौतिक संसाधन व्यक्ति को तब तक सुख या आरोग्य नहीं दे सकते, जब तक उसका आंतरिक मानस शुद्ध और संतुलित न हो। आज का आधुनिक युग, जिसे हम सूचना और तकनीक का स्वर्ण युग कहते हैं, विडंबनापूर्ण ढंग से तनाव और मानसिक विकारों का युग भी बन गया है। चिकित्सा विज्ञान के तमाम चमत्कारों के बावजूद, मनुष्य पहले से कहीं अधिक रुग्ण है। इसका मूल कारण यह है कि हमने शरीर के पोषण पर तो ध्यान दिया, लेकिन उस 'मन' को बंजर छोड़ दिया जो शरीर का असली संचालक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की परिभाषा भी अब केवल रोगों की अनुपस्थिति को स्वास्थ्य नहीं मानती, बल्कि शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की पूर्ण अवस्था को ही स्वास्थ्य कहती है।

प्राचीन दर्शनों की गहराई में उतरें तो महात्मा बुद्ध का 'धम्मपद' स्पष्ट करता है कि हमारे विचार ही हमारे अस्तित्व का निर्माण करते हैं। यदि मन दूषित है, तो कष्ट वैसे ही पीछे चलता है जैसे बैल के पीछे गाड़ी का पहिया। इसी प्रकार, पश्चिमी जगत में यूनानी दार्शनिक सुकरात ने सदियों पहले घोषणा की थी कि ₹आत्मा के उपचार के बिना शरीर का उपचार असंभव है।₹ जापानी संस्कृति में 'इकिगाई' का सिद्धांत सिखाता है कि जीवन का एक स्पष्ट उद्देश्य मन को अवसाद से बचाता है, जिससे शरीर की कोशिकाएं अधिक समय तक जीवंत रहती हैं। यह वैश्विक दर्शन हमें समझाता है कि मानसिक शांति कोई विलासिता नहीं, बल्कि शारीरिक उत्तरजीविता की प्राथमिक शर्त है। जब मन में संतोष और करुणा का भाव होता है, तो मस्तिष्क एक ऐसे 'अभय कवच' का निर्माण करता है जो बाहरी बीमारियों को भीतर प्रवेश करने से रोकता है। आधुनिक विज्ञान अब 'न्यूरो-इम्यूनो-एंडोक्राइनोलॉजी' के माध्यम से इस दार्शनिक सत्य की पुष्टि कर रहा है। शोध बताते हैं कि जब हम क्रोध, ईर्ष्या या भय की स्थिति में होते हैं, तो हमारा मस्तिष्क 'कोर्टिसोल' और 'एड्रेनालिन' जैसे स्ट्रेस हार्मोन की बाढ़ ला देता है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के आंकड़ों के अनुसार, लंबे समय तक बना रहने वाला मानसिक तनाव उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और मधुमेह का 60 से 80 प्रतिशत तक जिम्मेदार होता है। विज्ञान ने 'प्लेसबो इफेक्ट' के माध्यम से यह भी सिद्ध किया है कि केवल यह दृढ़ विश्वास कि ₹मैं ठीक हो रहा हूँ₹, शरीर की स्वयं को ठीक करने की शक्ति (Self-healing power) को जागृत कर देता है। इसके विपरीत, 'नोसबो इफेक्ट' में नकारात्मक विचार एक स्वस्थ व्यक्ति को भी रुग्ण बना सकते हैं। अतः, शरीर की प्रयोगशाला में जो रसायन बनते हैं, उनका रिमोट कंट्रोल हमारे विचारों के हाथ में है।

मानव शरीर और मन के बीच एक गहरा 'गट-ब्रेन एक्सिस' (Gut-Brain Axis) काम करता है। आयुर्वेद में कहा गया है कि सभी रोगों की जड़ 'मंदाग्नि' है, और आधुनिक शोध बताते हैं कि चिंता और तनाव सीधे तौर पर हमारे पाचन तंत्र को प्रभावित करते हैं। जब मन अशांत होता है, तो वह पेट के लाभकारी बैक्टीरिया को नष्ट कर देता है, जिससे चिड़चिड़ापन, थकान और दीर्घकालिक बीमारियाँ जन्म लेती हैं। ईर्ष्या और घृणा जैसे नकारात्मक भाव यकृत (Liver) पर वैसा ही प्रभाव डालते हैं जैसा कि अत्यधिक मदिरापान। वहीं दूसरी ओर, प्रेम, क्षमा और कृतज्ञता (Gratitude) का भाव मस्तिष्क में 'डोपामाइन' और 'ऑक्सीटोसिन' जैसे 'हैप्पी हार्मोन्स' का संचार करता है, जो प्राकृतिक दर्द निवारक का कार्य करते हैं और धमनियों को लचीला बनाए रखते हैं। आज के प्रतिस्पर्धात्मक समाज में मन को 'चंगा' रखना एक बड़ी चुनौती है, लेकिन असंभव नहीं। इसके लिए हमें 'माइंडफुलनेस' या वर्तमान में जीने की कला सीखनी होगी। अधिकांश मानसिक व्याधियाँ या तो अतीत के पछतावे से पैदा होती हैं या भविष्य की असुरक्षा से। योग और प्राणायाम के माध्यम से जब हम अपनी श्वासों पर नियंत्रण पाते हैं, तो हम सीधे तौर पर अपने पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम को सक्रिय कर रहे होते हैं, जो शरीर को 'रिलैक्स' मोड में ले आता है। दैनिक जीवन में 'डिजिटल डिटॉक्स' और प्रकृति के साथ कुछ समय बिताना मन की गंदगी को साफ करने वाले फिल्टर की तरह काम करते हैं। यदि हम प्रतिदिन अपनी सफलताओं के बजाय अपनी मानसिक शांति का हिसाब रखना शुरू कर दें, तो आधे शारीरिक रोग स्वतः ही समाप्त हो जाएंगे। यह समझना अनिवार्य है कि शरीर केवल एक यंत्र है और मन उसका ऊर्जा स्रोत। यदि स्रोत प्रदूषित होगा, तो यंत्र का सुचारू रूप से चलना असंभव है। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कि ₹हम उन समस्याओं को उसी सोच के साथ हल नहीं कर सकते जिनसे वे पैदा हुई हैं।₹ अतः, बीमारियों से लड़ने के लिए केवल अस्पतालों और दवाओं पर निर्भर रहना अपर्याप्त है। हमें अपने भीतर एक 'मानसिक औषधालय' विकसित करना होगा, जहाँ सकारात्मकता, धैर्य और प्रसन्नता की औषधियां प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हों। जब मन प्रसन्न होगा, तो शरीर की प्रत्येक कोशिका उस आनंद में नृत्य करेगी और तभी हम सही अर्थों में एक स्वस्थ और दीर्घायु समाज का निर्माण कर पाएंगे।

हमारी गीता

युद्ध का उद्देश्य

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

जीवन की रणभूमि में कई बार ऐसा क्षण आता है जब हृदय की करुणा और कर्तव्य का आह्वान आमने-सामने खड़े हो जाते हैं। मन संवेदनाओं में डूबकर पीछे हटना चाहता है, जबकि धर्म हमें आगे बढ़ने का संकेत देता है। ऐसे निर्णायक क्षणों में भगवान का संदेश दुलार भरा नहीं, बल्कि चेतना को झकझोर देने वाला होता है—"उत्तिष्ठ!" उठो, जागो और अपने कर्तव्य का पालन करो। यही वह पुकार है जो मोह और भ्रम को चीरकर मनुष्य को उसके सत्य के मार्ग पर स्थापित करती है। अर्जुन के शब्दों से ऐसा प्रतीत होता है मानो युद्ध कभी भी उचित नहीं हो सकता। वह अपने ही स्वजनों के विरुद्ध शस्त्र उठाने में संकोच कर रहा है। परंतु यह प्रश्न उठता है कि क्या ये संबंध अचानक बने हैं? क्या अर्जुन को पहले यह ज्ञात नहीं था कि सामने कौन खड़ा है? वस्तुतः यह करुणा नहीं, बल्कि मन के असंतुलन से उत्पन्न मोह है, जो व्यक्ति को उसके कर्तव्य से विमुख कर देता है। यह युद्ध किसी व्यक्तिगत द्वेष का परिणाम नहीं था, बल्कि दो विचारधाराओं का संघर्ष था—एक ओर अधर्म, स्वार्थ और अन्याय, और दूसरी ओर धर्म, सत्य और लोककल्याण। पांडवों के लिए यह युद्ध केवल सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि धर्म-स्थापना का संकल्प था। जब कोई योद्धा राष्ट्र और सत्य के लिए खड़ा होता है, तब उसके व्यक्तिगत भाव—मोह, मान-अपमान या संबंध—उसके मार्ग में बाधा नहीं बनने चाहिए। यदि हमारा ध्येय उदात्त और निस्वार्थ हो, तो कर्म में भय और विषाद के लिए कोई स्थान नहीं रहता। इसके विपरीत, त्याग और समर्पण की शक्ति और अधिक प्रबल हो जाती है। यही गीता का मूल संदेश है—कर्तव्य के प्रति अडिग रहना, बिना किसी मोह और भ्रम के। हम अक्सर अपने चारों ओर एक संकुचित भावनात्मक संसार रच लेते हैं और अहंकार के चश्मे से परिस्थितियों को देखने लगते हैं। इससे सत्य धुंधला पड़ जाता है और हम अपने वास्तविक उद्देश्य से भटक जाते हैं। गीता हमें सिखाती है कि जीवन के प्रत्येक संघर्ष में स्पष्टता, संतुलन और कर्तव्यबोध अनिवार्य हैं। इन्हें अपनाकर ही हम अपने जीवन के हर "युद्ध" में सच्ची विजय प्राप्त कर सकते हैं।

शख्सियत

महादेवी वर्मा

आधुनिक युग की मीरा और करुणा की प्रतिमूर्ति

हिंदी साहित्य के आकाश में महादेवी वर्मा एक ऐसे देदीप्यमान नक्षत्र के समान हैं, जिनकी चमक ने न केवल कविता को मानवीय संवेदनाओं से जोड़ा, बल्कि स्त्री चेतना और पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम को एक नई ऊंचाई दी। 26 मार्च 1907 को होली के दिन उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में जन्मी महादेवी जी को 'आधुनिक युग की मीरा' कहा जाता है।

उनका संपूर्ण जीवन सादगी, स्वावलंबन और साहित्य साधना का एक अनुपम उदाहरण है। महादेवी वर्मा हिंदी साहित्य के 'छायावाद' युग के चार प्रमुख स्तंभों में से एक थीं। उनकी कविताओं में जो 'पीड़ा' और 'वेदना' दिखाई देती है, वह लौकिक न होकर पारलौकिक और आध्यात्मिक है। उन्होंने अपनी कविताओं में 'अज्ञात प्रियतम' के प्रति जो विरह भाव व्यक्त किया, उसने उन्हें रहस्यवाद की श्रेष्ठ कवयित्री बना दिया। उनकी पंक्तियां— ₹मैं नीर भरी दुख की बदली₹ या ₹मिलन का मत नाम लो, मैं विरह में चिर हूं₹ —हृदय की गहराइयों को छू लेने वाली हैं।

महादेवी जी केवल एक कवयित्री ही नहीं, बल्कि एक प्रखर विचारक और शिक्षाविद भी थीं। उन्होंने अपना पूरा जीवन महिला शिक्षा के लिए समर्पित कर दिया। वे 'प्रयाग महिला विद्यापीठ' की प्रधानाचार्या और बाद में कुलपति रहीं। उस दौर में जब स्त्रियों का घर से बाहर निकलना कठिन था, उन्होंने महिलाओं को शिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का बीड़ा उठाया। उनकी कृति 'श्रृंखला की कड़ियां' भारतीय स्त्री की गुलामी और उसकी मुक्ति के संघर्ष का एक ऐतिहासिक दस्तावेज है। महादेवी वर्मा का हृदय केवल मनुष्यों के लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी उतना ही कोमल था। उनके घर में गाय, हिरण, खरगोश और गिलहरी जैसे जीव एक परिवार के सदस्य की तरह रहते थे। उनके संस्मरणों का संग्रह 'मेरा परिवार' साहित्य की एक अनमोल धरोहर है। इसमें उन्होंने 'गिल्लू' (गिलहरी), 'गौरा' (गाय) और 'नीलकंठ' (मोर) जैसे मूक प्राणियों के साथ अपने आत्मीय संबंधों को इतनी सजीवता से उकेरा है कि पाठक की आंखें नम हो जाती हैं! एक बार वे प्रयाग महिला विद्यापीठ की प्राचार्य थीं, तब संस्थान को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा। सरकार की ओर से सहायता की पेशकश की गई, लेकिन उसके साथ कुछ ऐसी शर्तें थीं जो संस्थान की स्वायत्तता और उनके आदर्शों के विरुद्ध थीं। महादेवी जी ने स्पष्ट कर दिया कि वे किसी भी कीमत पर संस्थान की स्वतंत्रता से समझौता नहीं करेंगी। उन्होंने सरकारी सहायता ठुकरा दी और स्वयं घूम-घूमकर चंदा इकट्ठा करना शुरू किया। उन्होंने अपनी बहुमूल्य कृतियों से मिलने वाली रॉयल्टी और निजी बचत को भी संस्थान के खाते में डाल दिया।

इतना ही नहीं, वे छात्राओं के साथ खुद चरखा चलाती थीं और सादगी का ऐसा उदाहरण पेश करती थीं कि धनी परिवारों की लड़कियां भी वहां आकर विलासिता त्याग देती थीं। महादेवी जी का व्यक्तिगत जीवन भी किसी तपस्या से कम नहीं था। अल्पायु में विवाह होने के बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और एक संन्यासिनी जैसा जीवन व्यतीत किया। उन्होंने कभी भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उन्होंने गांधी जी के विचारों को अपनाया और खादी धारण की। वे अंतिम समय तक इलाहाबाद (प्रयागराज) के अपने छोटे से आवास में साहित्य और सेवा में लीन रहीं। उनकी कालजयी रचना 'यामा' के लिए उन्हें 1982 में भारतीय साहित्य के सर्वोच्च सम्मान 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' से नवाजा गया।

जीवन ऊर्जा

प्रकाश राज : जन्म : 26 मार्च 1965

अवसान

प्रसिद्ध भारतीय अभिनेता, निर्देशक और निर्माता प्रकाश राज का जन्म 26 मार्च 1965 को बेंगलुरु में हुआ था। वे अपनी बहुमुखी प्रतिभा और पाँच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के लिए विश्व विख्यात हैं। दक्षिण भारतीय सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक, वे अपने दमदार खलनायक और चरित्र किरदारों के लिए जाने जाते हैं। उनका अभिनय करियर भारतीय सिनेमा के एक समृद्ध और प्रभावशाली युग का प्रतिनिधित्व करता है।

कलाकार को सत्ता का पिछलग्गू नहीं, आलोचक होना चाहिए

अभिनय खुद को भूलकर किसी और को जीने की कला है। सिनेमा समाज का आईना है, इसे सच बोलने से कभी नहीं डरना चाहिए। एक कलाकार की असली जीत उसके पुरस्कारों में नहीं, बल्कि समाज में पैदा की गई जागरूकता में है। सफलता का असली स्वाद तब आता है जब आप अपने काम के प्रति पूरी तरह ईमानदार हों। महानता इसमें नहीं कि आप कभी न गिरें, बल्कि इसमें है कि आप हर बार गिरकर उठें। चुप रहना किसी समस्या का समाधान नहीं है, अपनी आवाज बुलंद रखनी चाहिए। असफलता केवल यह बताती है कि सफलता का प्रयास पूरे मन से नहीं हुआ। कला का अंतिम उद्देश्य मनुष्य को और अधिक संवेदनशील और बेहतर इंसान बनाना है। जीवन एक निरंतर सीखने की प्रक्रिया है, अपनी गलतियों को अपना गुरु मानें। वैचारिक स्वतंत्रता ही एक स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है। डर केवल तभी तक है, जब तक आप उसका सामना करने का साहस नहीं जुटाते। ईमानदारी कोई विकल्प नहीं, बल्कि एक अनिवार्य शर्त होनी चाहिए। प्रेम और करुणा ही वे सूत्र हैं जो दुनिया को जोड़ सकते हैं। अभिनय केवल संवाद बोलना नहीं, बल्कि खामोशी को महसूस करना भी है। समाज में बदलाव की शुरुआत खुद के विचारों को बदलने से होती है। हर किरदार

हमें जीवन का एक नया नजरिया सिखाता है। प्रतिभा ईश्वर की देन है, लेकिन चरित्र आपकी अपनी मेहनत है। अन्याय को सहना उसे करने जितना ही बड़ा अपराध है। कलाकार को सत्ता का पिछलग्गू नहीं, बल्कि उसका आलोचक होना चाहिए। सच्ची खुशी दूसरों की सेवा और उनके चेहरे पर मुस्कान लाने में है। समय सबसे बड़ा शिक्षक है, बशर्ते आप एक अच्छे विद्यार्थी बनें। अपने काम से प्यार करें, परिणाम अपने आप पीछे खिंचा चला आएगा। जीवन की सरलता ही उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती है। दुनिया को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

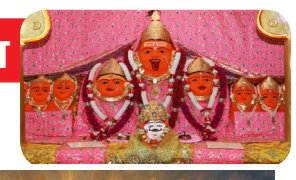

भक्ति की पराकाष्ठा और समानता का दिव्य संदेश

भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता के आकाश में रामायण एक ऐसा ध्रुवतारे के समान महाकाव्य है, जो युगों-युगों से मानवता को धर्म, कर्म और प्रेम का मार्ग दिखा रहा है। इस महाकाव्य में निहित अनगिनत प्रसंगों में से, भगवान श्रीराम का शबरी की कुटिया में जाकर उसके द्वारा प्रेमवश चखे गए (जूठे) बेर खाना, न केवल भक्ति की पराकाष्ठा का प्रतीक है, बल्कि यह सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध प्रभु का सबसे प्रखर और मौन संदेश भी है। यह प्रसंग सिद्ध करता है कि ईश्वर के दरबार में जाति, वर्ण या वर्ग का कोई स्थान नहीं है; वहाँ केवल भाव और प्रेम प्रधान हैं। शबरी, जो एक भील परिवार में जन्मी थी, सामाजिक व्यवस्था की दृष्टि से 'निम्न' मानी जाने वाली जाति से संबंध रखती थी। लेकिन उसका हृदय प्रभु राम के प्रति अगाध प्रेम और अटूट विश्वास से भरा था। अपने गुरु मतंग ऋषि के वचनों पर विश्वास कर, उसने अपना संपूर्ण जीवन प्रभु राम की प्रतीक्षा में समर्पित कर दिया। वह प्रतिदिन वन से मीठे बेर चुनकर लाती, इस भय से कि कहीं प्रभु को कोई खट्टा बेर न मिल जाए, वह हर बेर को पहले स्वयं चखती और फिर केवल मीठे बेरों को ही पात्र में रखती। वर्षों तक चले इस इंतज़ार और तपस्या ने उसके प्रेम को कंचन जैसा शुद्ध बना दिया था। जब सीता जी की खोज करते हुए श्रीराम और लक्ष्मण शबरी की कुटिया में पहुँचे, तो शबरी की सुध-बुध खो गई। आनंद के अतिरेक में, उसे सामाजिक मर्यादाओं और औपचारिकता का ध्यान नहीं रहा। उसने वही चखे हुए बेर प्रभु के सामने रख दिए। इस दृश्य को देखकर लक्ष्मण आशंकित हुए, क्योंकि उस समय समाज में 'जूठा' भोजन देना, विशेषकर किसी 'अछूत' माने जाने वाले व्यक्ति द्वारा, घोर अपराध और अपमान माना जाता था। लेकिन मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने उन बेरों को सहर्ष और अत्यंत प्रेम से खाया।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

श्रीराम ने बेरों को खाते समय लक्ष्मण को और पूरी मानवता को एक मौन लेकिन शक्तिशाली संदेश दिया। प्रभु ने सिद्ध किया कि वे 'भावग्राही' हैं, न कि 'वस्तुग्राही'। उनके लिए शबरी की 'अधम' जाति या उसके 'जूठे' बेर महत्त्वपूर्ण नहीं थे; महत्त्वपूर्ण था वह निश्छल, निस्वार्थ और शुद्ध प्रेम जिसके वशीभूत होकर उसने यह कृत्य किया था। बेर खाते हुए प्रभु राम ने मानो स्वयं यह घोषणा कीः ₹कहे रघुपति सुन भामिनी बाता, मानहु एक भगति कर नाता₹। अर्थात्, प्रभु केवल भक्ति और प्रेम के रिश्ते को ही मानते हैं। तुम कौन हो, किस परिवार में जन्मी हो, तुम्हारी जाति या कुल क्या है—यह ईश्वर के लिए कोई मायने नहीं रखता। यदि हृदय में प्रेम और भक्ति है, तो ईश्वर स्वयं तुम्हारे पास आएँगे और तुम्हारे द्वारा अर्पण की गई सबसे तुच्छ वस्तु को भी अमृत मानकर ग्रहण करेंगे।

अपने विचार

तृणमूल डबल डिजिट पार नहीं करेगी। यह ट्रिपल डिजिट नहीं होगा। वे बंगाल को मोदीजी के हाथों में छोड़ना चाहते हैं। उन्हें लगता है कि मोदीजी ने नंदीग्राम की तरह ममता बनर्जी को सीरियसली हराने के लिए विपक्षी नेता को भेजा है। वे हिम्मत के साथ निकले हैं। वे भी बदलाव चाहते हैं।

-शुभेंदु अधिकारी
बीजेपी नेता

'हमारी कोशिश है कि पश्चिम बंगाल में इस चुनाव के ज़रिए मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय से एक नेतृत्व उभरे और मज़बूत हो। हमने तय कर लिया है कि हम कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। यह गठबंधन हमारे राजनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए इसे आगे भी बढ़ाया जाएगा।

-असदुद्दीन ओवैसी
अध्यक्ष, AIMIM

अरविंद केजरीवाल कहते थे कि उन्हें कुछ नहीं चाहिए लेकिन वास्तव में उन्हें सब कुछ चाहिए था। देश में जब लाखों लोग मार रहे थे, दिल्ली में हजारों लोग मार रहे थे, तब अरविंद केजरीवाल अपना शानदार घर बना रहे थे। उन्होंने अस्पताल बनाना प्राथमिकता नहीं लगी।

-रेखा गुप्ता
मुख्यमंत्री, दिल्ली

जो लोग आज बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, सत्ता में रहते हुए उन्होंने प्रदेश को केवल अपने परिवार के लिए लूटा। 2017 से पहले की सरकारों में वंचित यादवों, दलितों, कुशवाहा और मौर्य समाज के लिए कोई संवेदना नहीं थी।

-योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई-400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िमेदार).

ब्रीफ न्यूज़

वसई रोड स्टेशन के पूरब में स्थित पुराना फुट ओवर ब्रिज बंद

मुंबई। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वसई रोड स्टेशन (पूरब) पर नए डेक के निर्माण के साथ-साथ सीढ़ियों एवं एस्केलेटर की सुविधा विकसित किए जाने के कार्य के अंतर्गत स्टेशन के पूरब में स्थित पुराने फुट ओवर ब्रिज को हटाया जाएगा। अतः उक्त फुट ओवर ब्रिज को 28 मार्च, 2026 से आगामी तीन माह की अवधि के लिए यात्रियों हेतु बंद कर दिया जाएगा। इस अवधि के दौरान, यात्री RLDA भवन की सीढ़ियों के माध्यम से प्रवेश/निकास का उपयोग कर सकते हैं। यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा खेद व्यक्त किया गया है।

ठाणे और डोंबिवली में 15-कोच प्लेटफॉर्म विस्तार कार्य संपन्न

मुंबई। मध्य रेलवे ने बुनियादी ढांचे में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 21 और 22 मार्च 2026 की मध्यरात्रि को 10 घंटे का विशेष ट्रैफिक और पावर ब्लॉक सफलतापूर्वक पूरा किया। यह मेगा ब्लॉक ठाणे और डोंबिवली स्टेशनों पर 15-कोच वाली लोकल ट्रेनों के संचालन के लिए प्लेटफॉर्म विस्तार से संबंधित था। इस चुनौतीपूर्ण कार्य को ठाणे (प्लेटफॉर्म 1, 2, 3) और डोंबिवली (प्लेटफॉर्म 1A, 1, 2) के अप एवं डाउन लाइनों पर सूक्ष्म योजना के साथ अंजाम दिया गया, जिससे भविष्य में उपनगरीय सेवाओं की क्षमता में भारी वृद्धि होगी। डोंबिवली स्टेशन पर सीमित जगह होने के बावजूद लगभग 150 मीटर नई ट्रैक बिछाई गई और प्वाइंट संख्या 125W का सफल कमीशनिंग किया गया। यहाँ ओएचई (OHE) मास्ट हटाने और केबलिंग शिफ्ट करने जैसे जटिल कार्य पूरे किए गए। दूसरी ओर, ठाणे स्टेशन पर भारी मशीनों जैसे पोकलेन और जेसीबी की मदद से क्रॉसओवर संख्या 148A/B को 60 मीटर स्थानांतरित किया गया। इस तकनीकी बदलाव से प्लेटफॉर्म क्रमांक 3 और 4 के विस्तार के लिए आवश्यक जगह उपलब्ध हो गई है, जो 15-कोच ट्रेनों को समायोजित करने के लिए अनिवार्य थी। इस विशाल कार्य को समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए मध्य रेलवे ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। कुल 380 संविदा श्रमिक, 120 विभागीय कर्मचारी और 14 अधिकारियों की टीम ने पूरी रात निगरानी रखी। कार्य की गति बढ़ाने के लिए 7 जेसीबी, 2 पोकलेन और 4 डंपर जैसी भारी मशीनरी का उपयोग किया गया।

दुनिया के नक्शे पर चमकेगा महाराष्ट्र

पर्यटन के लिए 2096 करोड़ का मेगा बजट मंजूर

किलों, समुद्र तटों और धार्मिक स्थलों की होगी ग्लोबल ब्रांडिंग

दीपक पवार । मुंबई

महाराष्ट्र के पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई ने विधानसभा में राज्य के पर्यटन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकाने के लिए एक मास्टर प्लान की जानकारी दी है। बुधवार को सदन में चर्चा के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र को देश का नंबर-1 पर्यटन राज्य बनाने के लिए बजट में भारी बढ़ोतरी की गई है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि सरकार इस सेक्टर को लेकर कितनी गंभीर है। पिछले साल जहाँ पर्यटन विभाग के लिए 1500 करोड़ रुपये का प्रावधान था, वहीं इस साल इसे बढ़ाकर 2096 करोड़ रुपये कर दिया गया है। यह राशि राज्य के ऐतिहासिक किलों, बीच (Beaches), धार्मिक स्थलों और प्राकृतिक सुंदरता को संवारने में खर्च की जाएगी।

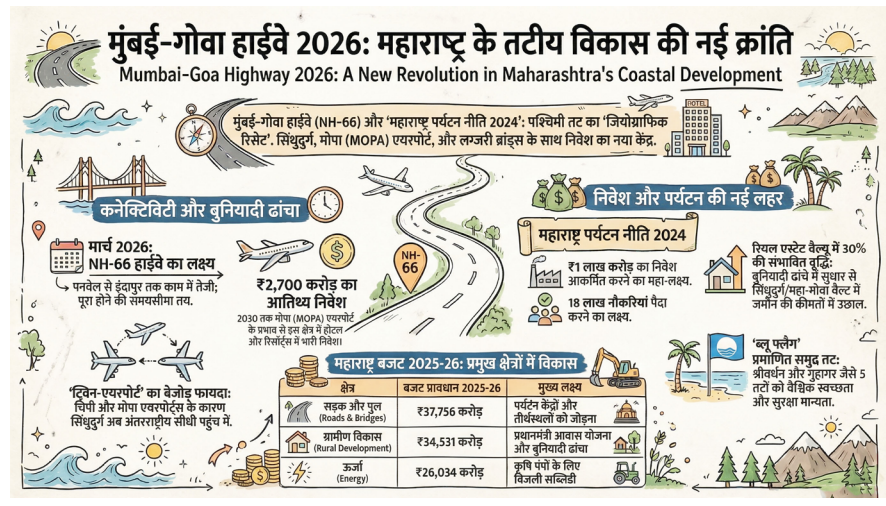

कोंकण और विदर्भ के लिए स्पेशल प्लान

कोंकण : कोंकण के समुद्र तटों के विकास के लिए एक अलग योजना तैयार की जा रही है। गोवा के मोपा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बेहतर रोड कनेक्टिविटी होने के कारण कोंकण में विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। विदर्भ में कल्याणेश्वर, हनुमानगढ़ी और नवेगांव जैसे स्थलों को विकसित करने के नए प्रस्तावों पर विचार चल रहा है। महाराष्ट्र के गौरवशाली किलों और कोंकण के किनारों को दुनिया के सामने लाने के लिए एक विशेष अंतरराष्ट्रीय कैंपेन चलाया जाएगा। महाबलेश्वर और पंचगनी में आयोजित 'महापर्यटन महोत्सव' में विदेशी पर्यटकों के शानदार रिस्पॉन्स को देखते हुए, अब राज्य की पारंपरिक कला और खान-पान (Cuisine) को वैश्विक स्तर पर प्रमोट किया जाएगा।

नमो टूरिज्म योजना से सुविधाओं का जाल

केंद्र सरकार की पहल पर राज्य में 'नमो टूरिज्म' स्कीम शुरू की गई है। इसके तहत चुने हुए टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर आधुनिक फैसिलिटी सेंटर बनाए जा रहे हैं। इन सेंटर्स पर पर्यटकों को ठहरने, जानकारी लेने और अन्य जरूरी सुविधाएं एक ही जगह पर मिलेंगी।

रेलवे ट्रैक पर महाप्रबंधक का सेफ्टी ऑडिट

रोहा से खारबाव तक परखीं सुविधाएं, तकनीकी बारीकियों की हुई जांच

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य रेल के महाप्रबंधक प्रतीक गोस्वामी ने बुधवार को मुंबई मंडल के रोहा-खारबाव खंड का सघन संरक्षा निरीक्षण किया। इस हाई-प्रोफाइल दौरे का मुख्य उद्देश्य रेल परिचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करना और यात्री सुविधाओं के साथ-साथ चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता की जांच करना था। निरीक्षण की शुरुआत रोहा स्टेशन से हुई, जहाँ महाप्रबंधक ने इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग और डिस्प्ले सिस्टम की बारीकी से जांच की। उन्होंने न केवल रनिंग रूम की सुविधाओं को देखा, बल्कि पैसेंजर्स एसोसिएशन के सदस्यों से सीधे बात कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। निडी-नागोठने के बीच सुरंग संख्या 1 और खतरनाक मोड़ों का भी तकनीकी मुआयना किया गया।

पनवेल में AI कैमरों और एक्सीडेंट रिलीफ मेडिकल वैन का निरीक्षण

पनवेल में महाप्रबंधक ने AI-आधारित कैमरों और स्व-चालित दुर्घटना राहत चिकित्सा यान (SPARMV) का निरीक्षण किया, जो आपात स्थिति में जीवन बचाने के काम आता है। उन्होंने यहाँ कर्मचारियों के लिए नवनिर्मित RPF चौकी का लोकार्पण भी किया। स्टेशन के स्टालों की स्वच्छता और क्रू लॉबी की सुविधाओं की भी समीक्षा की गई। निरीक्षण का एक रोमांचक हिस्सा तालोजा और निलजे खंड के बीच हुआ, जहाँ 120 किमी प्रति घंटे की गति से ट्रेन चलाकर ट्रैक की स्थिरता और सुरक्षा का 'स्पीड टेस्ट' लिया गया।

पुलों और ट्रैक की मजबूती की जांच

जिते-आपटा खंड के बीच पाताल गंगा नदी पर बने पुल संख्या 85/2 और स्विच एक्सटेंशन जॉइंट का निरीक्षण किया गया। आपटा में महाप्रबंधक गोस्वामी ने रेलवे कॉलोनी और गैंग (ट्रैक मेंटेनेंस टीम) के काम को देखा। रसायनी खंड में समपार और पुलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

गुटखा माफिया के घर से लाखों का माल बरामद

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर में प्रतिबंधित पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मध्यवर्ती पुलिस ने एक बड़े गुटखा नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने सचिन कांता प्रसाद गुप्ता नामक गुटखा माफिया के ठिकाने पर छापा मारकर भारी मात्रा में निषिद्ध सामग्री जब्त की है। मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने कैंप नंबर-3 स्थित ओटी रेणुका सोसायटी परिसर में यह कार्रवाई की। इस छापेमारी ने शहर में अवैध रूप से फल-फूल रहे गुटखा व्यापार की जड़ों पर प्रहार किया है, जिससे स्थानीय अपराधियों में हड़कंप मच गया है। यह कार्रवाई 24 मार्च की शाम लगभग 5 बजे की गई। पुलिस ने सचिन गुप्ता के घर से 1 लाख 1 हजार रुपये मूल्य का प्रतिबंधित गुटखा और पान मसाला बरामद किया।

गवर्नर ने 15 युवा 'ड्राइवर्स ऑफ़ चेंज' को किया सम्मानित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने मुंबई में आयोजित 'इंडिया टुडे ग्रुप-महिंद्रा ड्राइवर्स ऑफ़ चेंज अवार्ड्स 2026' में देश के 15 उभरते हुए युवा उद्यमियों और इनोवेटर्स को सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने युवाओं को नवाचारी विचारों को सफल व्यवसायों में बदलने और स्टार्टअप संस्कृति को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रोत्साहित किया। सम्मानित युवाओं को बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि इतिहास गवाह है कि बड़े और युगांतकारी कार्य अक्सर कम उम्र में ही संपन्न हुए हैं। उन्होंने संत ज्ञानेश्वर, आदि शंकराचार्य, छत्रपति शिवाजी महाराज और स्वामी विवेकानंद जैसी महान हस्तियों का उदाहरण देते हुए कहा कि इन सभी ने युवावस्था में ही राष्ट्र और समाज को नई दिशा दी थी।

महाराष्ट्र के उभरते केंद्र और 'स्कूल कनेक्ट' पहल

महाराष्ट्र के संदर्भ में उन्होंने कहा कि मुंबई के साथ-साथ अब पुणे, नागपुर, नासिक और छत्रपति संभाजीनगर जैसे शहर इनोवेशन के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। 29 विश्वविद्यालयों के चांसलर के रूप में उन्होंने 'स्कूल कनेक्ट' पहल का उल्लेख किया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना और उन्हें भविष्य का 'ड्राइवर ऑफ़ चेंज' बनाना है। इस प्रतिष्ठित समारोह में नई नवेली नंदा, अभिनेत्री मोना सिंह और जेनेलिया देशमुख जैसी हस्तियों के साथ कुल 15 युवाओं को उनकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सराहा गया। राज्यपाल ने इंडिया टुडे ग्रुप और महिंद्रा एंड महिंद्रा द्वारा नई लीडरशिप को मंच देने के प्रयास की सराहना की।

भारत: दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम

राज्यपाल ने भारत की आर्थिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। देश में 2 लाख से अधिक रजिस्टर्ड स्टार्टअप्स हैं। 100 से अधिक 'यूनिकॉर्न' कंपनियाँ सक्रिय हैं। अकेले वर्ष 2025 में 44,000 नए स्टार्टअप पंजीकृत हुए, जिनसे 2.1 लाख प्रत्यक्ष रोजगार पैदा हुए। विशेष बात यह है कि लगभग आधे स्टार्टअप छोटे और मध्यम शहरों से उभर रहे हैं।

प्रॉपर्टी टैक्स पेनल्टी पर 90% छूट अब 31 मार्च तक

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे के करदाताओं के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है। ठाणे महानगरपालिका ने प्रॉपर्टी टैक्स के बकाया जुर्माने पर 90% की भारी छूट वाली योजना को न केवल बढ़ा दिया है, बल्कि इसका दायरा भी बड़ा कर दिया है। बुधवार को मेयर शर्मिला पिंपलोलकर और आयुक्त सौरभ राव ने घोषणा की कि अब इस स्कीम का फायदा कमर्शियल (नॉन-रेसिडेंशियल) संपत्ति मालिकों को भी मिलेगा। पहले इस योजना की आखिरी तारीख 25 मार्च तय की गई थी, लेकिन नागरिकों के जबरदस्त रिस्पॉन्स को देखते हुए मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने इसे 31 मार्च 2026 तक बढ़ा दिया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब नॉन-रेसिडेंशियल (गैर-निवासी) यानी दुकानों, शोरूम और ऑफिस मालिकों को भी जुर्माने में 90% की छूट मिलेगी।

घर बैठे टैक्स भरने की स्मार्ट सुविधा

टीएमसी ने टैक्स भरना अब बेहद आसान बना दिया है। आप मनपा की वेबसाइट के अलावा Google Pay, PhonePe, Paytm और BHIM ऐप से भुगतान कर सकते हैं। इसके अलावा, ठाणे मनपा ने एक विशेष WhatsApp चैटबॉट नंबर +912225331590 जारी किया है, जहाँ आप अपना टैक्स स्टेटस देख सकते हैं और पेमेंट भी कर सकते हैं। टैक्स जमा करने के लिए नागरिकों को ऑफिस से छुट्टी लेने की जरूरत नहीं है। मनपा के सभी कलेक्शन सेंटर कार्य दिवसों में सुबह 10:30 से शाम 5:00 बजे तक खुले रहेंगे। शनिवार, रविवार और सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भी ये केंद्र सुबह 10:30 से शाम 4:00 बजे तक सेवा देंगे।

केवल 10% जुर्माना भरना होगा

अगर आपकी प्रॉपर्टी का टैक्स बकाया है और उस पर भारी जुर्माना (Penalty) लगा है, तो आपको उस जुर्माने का केवल 10 प्रतिशत हिस्सा मनपा में जमा करना होगा। बाकी का 90 प्रतिशत माफ कर दिया जाएगा। यह उन लोगों के लिए भी लागू है जिन्होंने इस फैसले से ठीक पहले अपना मूल टैक्स जमा कर दिया था।

ठाणे में सजेगा 'रंगीलो राजस्थान'

राजस्थान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस होंगे मुख्य अतिथि

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे के सांस्कृतिक परिदृश्य में राजस्थान की माटी की खुशबू और लोक कला के रंग बिखरने वाले हैं। राजस्थान विकास मंच की ओर से आगामी 30 मार्च 2026 को ठाणे में भव्य 'राजस्थान महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। राजस्थान विकास मंच के अध्यक्ष कपूर रामावत और मुख्य संरक्षक राकेश मोदी ने बताया कि राजपूताना की सभी रियासतों को मिलाकर 'वृहद राजस्थान' का गठन हिंदू नव वर्ष (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) के दिन ही हुआ था। इस वर्ष राजस्थान की भजनलाल सरकार ने पुनः इसी तिथि को राजस्थान दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया है। इसी परंपरा को ठाणे में 'राजस्थान महोत्सव' के जरिए जीवंत किया जा रहा है।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और घूमर का जादू

30 मार्च 2026 (सोमवार) को शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक वेदांत खुला रंगमंच (वर्तक नगर, ठाणे) राजस्थान के रंगों में सराबोर रहेगा। राजस्थान के सुप्रसिद्ध लोक गायक और कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे। विशेष आकर्षण राजस्थानी महिलाओं द्वारा पारंपरिक वेशभूषा में किया जाने वाला सुप्रसिद्ध 'घूमर' नृत्य होगा।

दिग्गजों का जमावड़ा

इस समारोह में राजनीति और समाजसेवा के बड़े चेहरे शामिल होंगे। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, कौशल विकास मंत्री मंगलप्रभात लोढा और सांसद नरेश म्हस्के समेत कई बड़े नेता अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। राजस्थानी समाज हमेशा से अपनी दानवीरता (भामाशाह संस्कृति) के लिए जाना जाता है। इस कार्यक्रम के दौरान समाज सेवा में समर्पित व्यक्तित्वों को 'राजस्थान गौरव' और 'राजस्थान विभूषण' की उपाधियों से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन लोगों को दिया जाएगा जो निस्वार्थ भाव से समाज की भलाई के लिए तत्पर रहते हैं।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष नई योजना बनेगी। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-परिवार की चिंता रहेगी। मकान, वाहन क्रय करने के योग बनेंगे। संतान की आजीविका संबंधी चिंता का समाधान होगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृष यात्रा में सावधानी रखें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। बातचीत, व्यवहार, निर्णय गुप्त रखें। प्रापर्टी के विवाद हल होंगे। आजीविका में आने वाली रुकावटें दूर होने के योग हैं।

मिथुन पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर तनाव रहेगा। व्यापार में लाभप्रद कार्य, योजनाओं में प्रगति होगी। अच्छे समय का उपयोग करेंगे। कार्य में तरक्की की संभावना बढ़ेगी। रुका पैसा मिलेगा।

कर्क लेनदारी वसूल होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें। क्रोध, उत्तेजना पर संयम रखें। जवाबदारी बढ़ेगी। सोचे कार्यों में सफलता मिलेगी। अवसरों को न जाने दें। परिवार के सदस्यों से मतभेद हो सकते हैं।

सिंह कुसंगति से बचें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। वस्तुएं संभालकर रखें। व्यर्थ मामलों में उलझना पड़ सकता है। व्यापार में हानि होने से आर्थिक कष्ट हो सकता है। धर्म-कर्म में मन लगेगा। स्वास्थ्य की चिंता समाप्त होगी। निवास संबंधी समस्या रह सकती है।

कन्या ऐश्वर्य पर खर्च होगा। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। रोजगार मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। व्यापार में नई योजनाओं का शुभारंभ होगा। आर्थिक स्थिति संतोषप्रद रह सकेगी। आशा-निराशा की स्थिति रहेगी। अपने खर्च, लेन-देन पर नियंत्रण रखें।

तुला वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। आर्थिक जवाबदारी सीमित रखें। विश्वासप्रद वातावरण नहीं रहेगा। संतान के कार्यों से असंतोष रहेगा। मित्रों से अनबन होगी। सामाजिक सम्मान

वृश्चिक पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफल रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। परिवार में शुभ आयोजन होंगे। विरोधियों पर विजय और रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। शिक्षा के क्षेत्र में वांछनीय प्रगति होगी।

धनु भय, पीड़ा व तनाव का माहौल रहेगा। दुःखद समाचार मिल सकता है। विवाद न करें। मेहनत अधिक, लाभ कम होगा। काम-धंधे की चिंता से मन उदास होगा। परिवार में कलह, क्लेश का माहौल रहेगा। सतर्कता रखें। दुस्साहस आपके लिए हानिकारक होगा।

मकर कोई बड़ी समस्या सामने आ सकती है। प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। पैतृक संपत्ति के क्षेत्र में उन्नति होगी। विभिन्न स्रोतों से धन लाभ होने के योग हैं। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।

कुंभ पुराने संगी-साथी मिलेंगे। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। अध्यात्म और विज्ञान में रुचि बढ़ेगी। नौकरी, राजनीति के क्षेत्र में भाग्योदय की संभावना है। घर में मांगलिक आयोजन होंगे। बौद्धिक क्षेत्र में पदोन्नति होगी।

मीन भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। प्रमाद न करें। वाहन की गति पर नियंत्रण रखना जरूरी है। आर्थिक उन्नति संबंधी शुभ समाचार प्राप्त होंगे। साझेदारी व्यवसाय में इच्छित लाभ के योग बनेंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

OCD को समझने का वैज्ञानिक और ज्योतिषीय दृष्टिकोण

OCD यानी Obsessive Compulsive Disorder एक ऐसा मानसिक विकार है जो व्यक्ति के सोचने और व्यवहार करने के तरीके को गहराई से प्रभावित करता है। इसमें व्यक्ति बार-बार एक ही विचारों में उलझ जाता है और उन विचारों से छुटकारा पाने के लिए कुछ क्रियाओं को बार-बार दोहराने लगता है। यह केवल आदत नहीं होती, बल्कि एक ऐसी मानसिक अवस्था होती है जिसमें व्यक्ति खुद भी समझता है कि वह जो कर रहा है वह जरूरी नहीं है, फिर भी उसे रोक नहीं पाता। जैसे बार-बार हाथ धोना, बार-बार दरवाज़ा चेक करना, किसी अनहोनी का डर या दिमाग में लगातार एक ही विचार का घूमते रहना—ये सभी OCD के सामान्य लक्षण हैं। आधुनिक विज्ञान की दृष्टि से देखा जाए तो OCD मस्तिष्क के केमिकल असंतुलन, खासकर serotonin के स्तर में गड़बड़ी, जेनेटिक कारणों और लंबे समय तक बने रहने वाले तनाव का परिणाम हो सकता है। मनोविज्ञान

प्रियंका जैन
97699 94439

इसे एक इलाज योग्य स्थिति मानता है, जिसमें Cognitive Behavioral Therapy (CBT) और Exposure Response Prevention (ERP) जैसी तकनीकें बेहद प्रभावी साबित होती हैं। कई मामलों में दवाइयों की भी आवश्यकता पड़ती है। इसलिए यह समझना जरूरी है कि OCD कोई कमजोरी या वहम नहीं, बल्कि एक वास्तविक मानसिक स्वास्थ्य समस्या है, जिसका इलाज संभव है। अब अगर हम इसे ज्योतिष और लाल किताब के दृष्टिकोण से समझें, तो यह मन और ग्रहों के असंतुलन से जुड़ा हुआ माना जाता है। वैदिक ज्योतिष में मन का स्वामी चंद्रमा होता है। जब चंद्रमा कमजोर, पीड़ित या पाप ग्रहों के प्रभाव में आता है, तब व्यक्ति के विचारों में अस्थिरता आ जाती है। मन बार-बार भटकता है, डर और चिंता बढ़ती है, और व्यक्ति अनावश्यक सोच में फंस सकता है। यदि चंद्रमा षष्ठ, अष्टम या द्वादश भाव में हो या उस पर नकारात्मक ग्रहों की दृष्टि हो, तो मानसिक संतुलन प्रभावित होने की संभावना बढ़ जाती है। ज्योतिष में राहु को भ्रम और वहम का प्रतीक माना जाता है। जब राहु चंद्रमा के साथ युति बनाता है, तो इसे ग्रहण योग कहा जाता है। इस योग के प्रभाव से व्यक्ति के विचारों में स्पष्टता कम हो सकती है और वह एक ही सोच या डर में बार-बार उलझ सकता है। राहु व्यक्ति के मन में ऐसी कल्पनाएं पैदा करता है जो वास्तविकता से दूर होती हैं, और यही स्थिति OCD जैसी प्रवृत्तियों को जन्म दे सकती है।

इसी तरह शनि का प्रभाव भी मानसिक स्थिति पर गहरा असर डालता है। शनि व्यक्ति को गंभीर, चिंतनशील और कई बार नकारात्मक सोच की ओर ले जाता है। जब शनि का संबंध चंद्रमा से बनता है, तो व्यक्ति अंदर ही अंदर सोचता रहता है, खुद पर संदेह करता है और अकेलेपन की भावना महसूस करता है। यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहे तो मानसिक थकान और अवसाद जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। केतु का प्रभाव व्यक्ति को अंतर्मुखी और अलग-थलग बना सकता है। केतु जब मन या सोच से जुड़े भावों को प्रभावित करता है, तो व्यक्ति अपनी ही दुनिया में खो सकता है और उसके विचार असामान्य दिशा में जा सकते हैं। वहीं बुध बुद्धि और तर्क का प्रतिनिधित्व करता है। यदि बुध राहु या केतु से प्रभावित हो जाए, तो व्यक्ति अधिक सोचता है लेकिन सही निर्णय नहीं ले पाता, जिससे मानसिक उलझन और बढ़ जाती है।

न्यूज़ ब्रीफ

जेवर एयरपोर्ट : एसपीजी ने संभाली सुरक्षा की कमान

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के 28 मार्च को प्रस्तावित लोकार्पण से पहले सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। प्रधानमंत्री Narendra Modi के कार्यक्रम को देखते हुए स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) ने एयरपोर्ट परिसर को अपने सुरक्षा घेरे में ले लिया है और बिना अनुमति किसी भी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। एयरपोर्ट परिसर में अब मल्टी-लेयर सिक्योरिटी लागू कर दी गई है। एसपीजी की निगरानी में हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है, जबकि मीडिया की आवाजाही भी सीमित कर दी गई है। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। जिला प्रशासन के मुताबिक, कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ ट्रैफिक प्लान, पार्किंग, बैरिकेडिंग, साइनेज, पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम, चिकित्सा और अग्निशमन सेवाओं को पूरी तरह व्यवस्थित किया जा रहा है। कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड और आगमन-प्रस्थान मार्गों को सुव्यवस्थित कर लिया गया है, ताकि वीवीआईपी और आमजन की आवाजाही में कोई बाधा न आए। निगरानी के लिए पूरे परिसर में सीसीटीवी नेटवर्क को मजबूत किया गया है और कंट्रोल रूम से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

2027 में सूबे की जनता करेगी बदलाव : शिवपाल सिंह यादव

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की सियासत में 2027 को लेकर बयानबाजी तेज होती दिख रही है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने प्रयागराज में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दावा किया कि प्रदेश की जनता बदलाव का मन बना चुकी है और आगामी चुनाव में इसका असर दिखाई देगा। भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में किसान संकट झेल रहे हैं, युवाओं के सामने रोजगार की चुनौती है और महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सामाजिक माहौल भी प्रभावित हुआ है और विभिन्न वर्गों में असंतोष बढ़ रहा है। ऐसे में पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठित होकर जमीनी स्तर पर सक्रिय होने की जरूरत है। शिवपाल सिंह यादव ने पार्टी कैडर से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया।

योगी के भरतपुर में रहेंगे विस्थापित 136 परिवार

- मुख्यमंत्री ने परिवारों को आवास, शौचालय और जमीन का कागजात सौंपा
- समाज को बांटने वालों ने गरीबों के विकास पर नहीं दिया ध्यान : योगी

एजेंसी । बहराइच

उत्तर प्रदेश की राजनीति और विकास एजेंडे के बीच बुधवार को बहराइच एक बड़े संदेश का केंद्र बना, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 136 विस्थापित परिवारों को आवास, शौचालय और जमीन के पट्टों का वितरण किया। सेमरहना क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने न सिर्फ पुनर्वास योजनाओं को रफ्तार देने का संकेत दिया, बल्कि जातीय राजनीति पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि "वर्षों तक समाज को बांटने की राजनीति ने गरीबों और वंचितों को उनके अधिकारों से दूर रखा।" कार्यक्रम के दौरान नई बसाई जा रही कॉलोनी को "भरतपुर" नाम देने की घोषणा भी की गई।

वर्षों पहले हो सकता था पुनर्वास

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर हमला तेज करते हुए कहा कि जाति के नाम पर राजनीति करने वालों ने कभी वास्तविक सामाजिक न्याय सुनिश्चित नहीं किया। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पिछड़े, दलित और जनजातीय समुदायों के ये लोग उस कथित सामाजिक समीकरण का हिस्सा नहीं थे, जिसकी बातें आज की जा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर पहले समावेशी सोच के साथ काम हुआ होता, तो इन परिवारों का पुनर्वास वर्षों पहले ही हो सकता था। कौडियाला सरयू नदी क्षेत्र का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वहां के लोग बेहद असुरक्षित हालात में जीवन यापन कर रहे थे—जंगलों में जंगली जानवरों का खतरा और नदी क्षेत्र में मगरमच्छ व सांपों का डर बना रहता था।

बिना भेदभाव सबको मिल रहा लाभ

मुख्यमंत्री ने इसे भगवान राम के अनुज भरत के आदर्शों से जोड़ते हुए भाईचारे और त्याग का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि पहले जिन परिवारों को बुनियादी सुविधाएं भी नसीब नहीं उन्हें अब सम्मानजनक जीवन देने का काम किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर यह आने वाले राजनीतिक विमर्श की दिशा भी तय करता नजर अपने संबोधन में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की अवधारणा को दोहराया और कहा कि वर्तमान सरकार बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने 2017 से पहले के हालात का हवाला देते हुए कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था और विकास दोनों प्रभावित थे, जबकि अब माहौल बदल चुका है।

अब एक्सप्रेस बनकर नियमित चलेगी स्पेशल ट्रेन

एजेंसी । रायपुर

छत्तीसगढ़ और झारखंड के बीच रेल यात्रियों के लिए बड़ी सुविधा की खबर है। दुर्ग-हटिया के बीच चल रही द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन को अब नियमित एक्सप्रेस का दर्जा दे दिया गया है। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए यह फैसला लिया है। नई व्यवस्था के तहत यह ट्रेन 2 अप्रैल 2026 से हटिया और 3 अप्रैल 2026 से दुर्ग से नियमित रूप से निर्धारित दिनों में संचालित होगी। नई समय-सारिणी के अनुसार, गाड़ी संख्या 18641 हटिया-दुर्ग एक्सप्रेस हर मंगलवार और गुरुवार को हटिया से रात 8 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 6:45 बजे दुर्ग पहुंचेगी।

इन स्टेशन पर होगा ठहराव

यह ट्रेन प्रमुख स्टेशनों—राउरकेला, झारसुगुड़ा, रायगढ़, चांपा, बिलासपुर, भाटापारा और रायपुर—पर ठहराव करेगी। इसके अलावा यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन में प्रथम एसी (1A), द्वितीय एसी (2A), तृतीय एसी (3A) और स्लीपर श्रेणी के कोच उपलब्ध रहेंगे, जिससे हर वर्ग के यात्रियों को यात्रा विकल्प मिल सकेगा। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि इस रूट पर लगातार बढ़ रही यात्री संख्या को देखते हुए ट्रेन का नियमितीकरण जरूरी था।

अंबिकापुर से मिलेगी दिल्ली-कोलकाता की फ्लाइट

- 30 मार्च से शुरू होगी नियमित हवाई सेवा
- समय सारिणी जारी टिकट की बुकिंग शुरू

एजेंसी । अंबिकापुर

छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग को एक बार फिर हवाई कनेक्टिविटी की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। दरिमा स्थित मां महामाया एयरपोर्ट से 30 मार्च से दिल्ली और कोलकाता के लिए नियमित उड़ान सेवा शुरू होगी। एयरलाइन अलायंस एयर (Alliance Air) ने इसके लिए समय-सारिणी जारी कर दी है और टिकटों की बुकिंग भी प्रारंभ कर दी गई है।

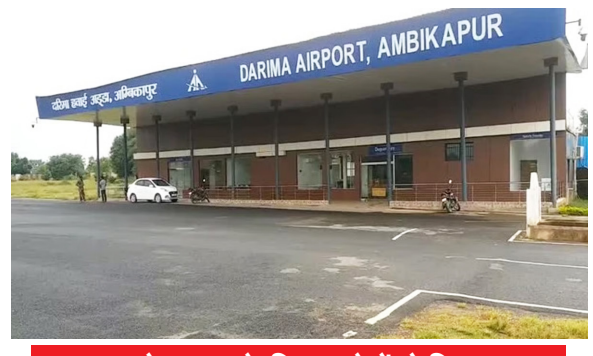

कोलकाता के लिए हफ्ते में दो दिन

कोलकाता के लिए भी सप्ताह में दो दिन—गुरुवार और शनिवार—फ्लाइट निर्धारित की गई है। शनिवार को विमान कोलकाता से बिलासपुर के रास्ते अंबिकापुर पहुंचेगा और फिर वापस कोलकाता जाएगा। गुरुवार को एक दिशा में सीधी उड़ान होगी, जबकि दूसरी ओर बिलासपुर के जरिए सेवा संचालित की जाएगी।

दोपहर में दिल्ली के लिए मिलेगी सेवा

30 मार्च को इस सेवा की पहली उड़ान अंबिकापुर से दोपहर में दिल्ली के लिए रवाना होगी। इस रूट पर 72 सीटर एटीआर विमान का उपयोग किया जाएगा, जो छोटे शहरों के लिए उपयुक्त माना जाता है। इस हवाई सेवा के शुरू होने से अंबिकापुर का सीधा जुड़ाव राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली और पूर्वी महानगर कोलकाता से हो जाएगा। इससे व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन क्षेत्रों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

अनियमित संचालन से ठप थी उड़ान सेवा

उल्लेखनीय है कि करीब आठ महीने पहले शुरू हुई यह सेवा अनियमित संचालन के कारण बंद हो गई थी। अब पुनः शुरुआत से क्षेत्रीय आवागमन को गति मिलने की उम्मीद है। दरिमा स्थित मां महामाया एयरपोर्ट को हाल के समय में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है, जिससे बड़े आकार के विमानों का संचालन भी संभव हो सका है।

तीन साल में लगीं 2411 नई इकाइयां

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश में औद्योगिक विस्तार की तस्वीर मिश्रित लेकिन सकारात्मक संकेत देती दिख रही है। विधानसभा में पेश आंकड़ों के अनुसार पिछले तीन वर्षों में राज्य में 2411 नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना हुई, जबकि इसी अवधि में 88 इकाइयां बंद भी हुईं। उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी देते हुए कहा कि सरकार निवेश माहौल को और मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। मंत्री ने बताया कि 30 जनवरी 2026 तक के आंकड़े दर्शाते हैं।

आवासीय सुविधा से वंचित हैं 12,532 परिवार

- प्रयागराज में 'जीरो पॉवर्टी' अभियान के तहत 28,974 परिवार चिन्हित

एजेंसी । प्रयागराज

गरीबी उन्मूलन के लक्ष्य को जमीनी स्तर पर गति देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रयागराज में 'जीरो पॉवर्टी' अभियान को मिशन मोड में आगे बढ़ा दिया है। जिला प्रशासन ने अब तक 28,974 अत्यंत गरीब परिवारों की पहचान कर उन्हें सरकारी योजनाओं के दायरे में लाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, चिन्हित परिवारों को चरणबद्ध तरीके से आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने पर फोकस किया जा रहा है।

11816 परिवारों को स्वरोजगार से जोड़ा

रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी समानांतर प्रगति दर्ज की जा रही है। उत्तर प्रदेश स्टेट रूरल लाइवहुड मिशन के तहत 20,018 परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें से अब तक 11,816 नए परिवारों को स्वरोजगार से जोड़ा जा चुका है। का करीब 84 प्रतिशत हासिल कर लिया गया है। मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने बताया कि 2 अक्टूबर 2024 से का उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर सबसे जरूरतमंद परिवारों को प्राथमिकता देना है।

गरीबी चक्र को तोड़ना योजना का उद्देश्य

इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आय सृजन के नए अवसर खुलने की उम्मीद है। प्रशासन का कहना है कि शेष परिवारों को भी शीघ्र योजनाओं से संतृप्त किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, 'जीरो पॉवर्टी' अभियान का फोकस केवल लाभ वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थायी आजीविका और सामाजिक सुरक्षा के जरिए गरीबी के चक्र को तोड़ना है। मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने बताया कि 2 अक्टूबर 2024 से शुरू इस अभियान का उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर सबसे जरूरतमंद परिवारों को प्राथमिकता देना है।

टैक्सी और LMV को नहीं देना होगा टोल

- हिमाचल सरकार ने स्थानीय वाहनों को दी बड़ी राहत

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश सरकार ने स्थानीय वाहन चालकों को बड़ी राहत देते हुए साफ किया है कि प्रदेश में पंजीकृत टैक्सियों और हल्के मोटर वाहनों पर कोई टोल टैक्स नहीं लगाया जाएगा। विधानसभा के प्रश्नकाल में मुख्यमंत्री Sukhvinder Singh Sukhu ने यह घोषणा करते हुए कहा कि सरकार आम लोगों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

54 करोड़ अतिरिक्त आय की उम्मीद

राजस्व के मोर्चे पर सरकार को इस नीति से लाभ की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रवेश शुल्क में संशोधन के बाद वर्ष 2025-26 में करीब 54 करोड़ रुपये अतिरिक्त आय होने का अनुमान है, जिससे कुल राजस्व लगभग 228 करोड़ पहुंच सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पर्यटन उद्योग या महंगाई पर इसके प्रभाव का आकलन फिलहाल संभव नहीं है।

तिमाही, वार्षिक दरों की नीति निर्धारित

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि टोल नीति के तहत तिमाही और वार्षिक दरों का लाभ केवल उन्हीं वाहन मालिकों को मिलेगा, जो हिमाचल प्रदेश के निवासी हैं और किसी टोल बैरियर के 5 किलोमीटर के दायरे में रहते हैं। इसके लिए संबंधित एसडीएम या तहसीलदार से प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। इस फैसले को राज्य में स्थानीय यात्रियों को राहत देने और टोल व्यवस्था को अधिक पारदर्शी व संतुलित बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

फिर खुली चर्चित जग्गी हत्याकांड की फाइल

- सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हाईकोर्ट में नई सुनवाई शुरू

एजेंसी । बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में एक बार फिर न्यायिक प्रक्रिया तेज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया के निर्देश के बाद मामला दोबारा छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में पहुंचा है, जहां इसकी मेरिट पर विस्तृत सुनवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बुधवार को मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा की अगुवाई वाली खंडपीठ ने मामले पर प्रारंभिक सुनवाई की और अगली तारीख 1 अप्रैल निर्धारित की।

सीबीआई ने बनाया 31 को आरोपी

यह मामला 4 जून 2003 का है, जब एनसीपी से जुड़े नेता रामावतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। शुरुआती जांच पर सवाल उठने के बाद राज्य सरकार ने प्रकरण को सीबीआई को सौंप दिया था। जांच के दौरान कुल 31 लोगों को आरोपी बनाया गया।

व्यापार जगत

बाजार ने ली अंगड़ाई, दिनभर में 8.24 लाख की कमाई

- जंग थमने के संकेतों से बाजार में उछाल, सेंसेक्स-निफ्टी में तूफानी तेजी

एजेंसी । नई दिल्ली

वैश्विक तनाव कम होने की उम्मीदों ने घरेलू शेयर बाजार में जबरदस्त रौनक लौटा दी है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी तनाव में नरमी के संकेत मिलते ही बुधवार को लगातार दूसरे दिन बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिली। BSE Sensex और Nifty 50 दोनों ही प्रमुख सूचकांक मजबूत बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे निवेशकों की संपत्ति में करीब 8.24 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया।

75800 तक सेंसेक्स ने लगाई छलांग

दिनभर के कारोबार में बाजार पर खरीदारों का दबदबा बना रहा। सेंसेक्स ने ऊपरी स्तर पर 75,800 के पार तक छलांग लगाई, जबकि निफ्टी भी 23,400 के करीब पहुंच गया। हालांकि दोपहर बाद मुनाफावसूली के चलते थोड़ी नरमी आई, लेकिन बाजार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। अंत में सेंसेक्स करीब 1.6 प्रतिशत और निफ्टी 1.7 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए। तेजी का असर लगभग सभी सेक्टरों में दिखाई दिया। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल, ऑटो, बैंकिंग और हेल्थकेयर शेयरों में 2 से 3 प्रतिशत तक की मजबूत बढ़त दर्ज की गई।

बना रह सकता है उतार-चढ़ाव

दिग्गज शेयरों में Bajaj Finance, UltraTech Cement और Adani Enterprises जैसे स्टॉक्स में जोरदार खरीदारी देखी गई, जबकि आईटी सेक्टर के कुछ शेयरों में हल्की गिरावट रही। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक भू-राजनीतिक जोखिम कम होने की उम्मीद और मजबूत घरेलू संकेतकों ने बाजार को सपोर्ट दिया है। हालांकि, मुनाफावसूली के संकेत यह भी बताते हैं कि आगे बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। फिलहाल निवेशकों के लिए यह तेजी राहत और अवसर—दोनों लेकर आई है।

विकास की रफ्तार बरकरार: GDP ग्रोथ 7.1%

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती पर भरोसा कायम है। अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी S&P ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है, जो देश की आर्थिक स्थिरता और आंतरिक मांग की ताकत को दर्शाता है। एजेंसी की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, भारत आने वाले समय में भी दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत घरेलू खपत, निवेश में लगातार सुधार और स्थिर निर्यात वृद्धि इस आर्थिक रफ्तार के मुख्य आधार हैं।

कच्चे तेल में नरमी: ब्रेंट 100 डॉलर के नीचे

- डब्ल्यूटीआई ने प्रति बैरल 88 डॉलर में किया कारोबार
- वैश्विक तनाव कम होने की उम्मीद से बाजार में गिरावट

एजेंसी । नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीदों के बीच कीमतें फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे आ गई हैं। सुबह के कारोबार में ब्रेंट क्रूड 99 डॉलर के करीब और डब्ल्यूटीआई 88 डॉलर के आसपास कारोबार करता दिखा।

शुरुआत में 97 डॉलर तक फिसला ब्रेंट

कारोबार की शुरुआत में ब्रेंट क्रूड में भारी दबाव दिखा और यह 97 डॉलर प्रति बैरल के निचले स्तर तक फिसल गया। हालांकि बीच-बीच में हल्की रिकवरी के साथ यह 100 डॉलर के ऊपर जाने की कोशिश करता दिखा, लेकिन टिक नहीं सका और फिर नीचे लौट आया। डब्ल्यूटीआई क्रूड ने भी इसी तरह उतार-चढ़ाव दिखाते हुए 86 से 89 डॉलर के दायरे में कारोबार किया।

वैश्विक तनाव कम होने का असर

विश्लेषकों के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने की संभावनाओं ने आपूर्ति को लेकर बनी चिंताओं को कुछ हद तक कम किया है, जिससे कीमतों पर दबाव बना। साथ ही बाजार में मुनाफावसूली और निवेशकों की सतर्कता भी गिरावट की एक वजह मानी जा रही है। ऊर्जा विशेषज्ञों का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में यह नरमी आयातक देशों के लिए राहत का संकेत हो सकती है, हालांकि वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार आगे भी कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना बनी हुई है।

देश में तेल-गैस की कोई कमी नहीं, पैनिक से बचें

- सरकार की अपील : हड़बड़ी में खरीदारी से बचें

एजेंसी । नई दिल्ली

वैश्विक हालात के बीच ईंधन आपूर्ति को लेकर उठ रही आशंकाओं पर सरकार ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि देश में पेट्रोल, डीजल और गैस की उपलब्धता पूरी तरह सामान्य है। की सचिव सुजाता शर्मा ने भरोसा दिलाया कि कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है और सभी रिफाइनरियां 100 प्रतिशत क्षमता पर काम कर रही हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि घबराहट में खरीदारी से बचें, क्योंकि किसी प्रकार की कमी नहीं है।

एलपीजी की स्थिति नियंत्रण में

एलपीजी को लेकर भी स्थिति नियंत्रण में बताई गई है। सिलेंडर की डिलीवरी सामान्य रूप से हो रही है, हालांकि हाल के दिनों में बुकिंग में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सरकार का कहना है कि सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं होटल, ढाबों और रेस्टोरेंट्स के लिए 26 टन कॉमर्शियल गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। कई राज्यों को दिया गया केरोसिन कालाबाजारी पर सख्ती दिखाते हुए विभिन्न राज्यों में कार्रवाई की गई है, जिसमें करीब 2000 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। इसके साथ ही केरोसिन का आवंटन भी राज्यों को किया गया है और 16 राज्यों के लिए वितरण आदेश जारी किए जा चुके हैं। इधर समुद्री आपूर्ति और लॉजिस्टिक्स भी सामान्य बने हुए हैं। खाड़ी क्षेत्र में मौजूद भारतीय जहाजों और नाविकों की स्थिति सुरक्षित बताई गई है। बंदरगाहों पर संचालन सुचारु है और Mundra Port ने राहत के तौर पर 15 दिन तक फ्री स्टोरेज और ट्रांसपोर्ट शुल्क में छूट दी है। अब तक करीब 2.20 लाख उपभोक्ता LPG से PNG पर शिफ्ट हो चुके हैं, जबकि लगभग ढाई लाख आवेदन प्रक्रिया में हैं। इसे गैस आपूर्ति पर दबाव कम करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

क्रिप्टो मार्केट में राहत की वापसी

एजेंसी । नई दिल्ली

पिछले 24 घंटों में बाजारों का मूड साफ तौर पर बदलता दिखा है जहाँ पहले जियो-पॉलिटिकल तनाव हावी था, वहीं अब हल्की राहत देखने को मिल रही है। President of the United States की ओर से Iran संघर्ष को लेकर बातचीत शुरू होने के संकेत मिलते ही ग्लोबल मार्केट्स ने तेज़ प्रतिक्रिया दी। कच्चे तेल की कीमतों में करीब 6% की गिरावट ने सप्लाई और महंगाई को लेकर तत्काल चिंताओं को कम किया है। क्वांटम पहल ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है, जो नेटवर्क की दीर्घकालिक सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है।

एक दिन में 18100 रुपये चढ़ी चांदी

- कीमत 2.5 लाख प्रति किलो के पार

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतों ने बुधवार को नया रिकॉर्ड रुख दिखाते हुए जोरदार छलांग लगाई। दिनभर की तेजी के दौरान चांदी अधिकांश बाजारों में 2.5 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय संकेतों के साथ मजबूत मांग के चलते कीमतों में यह उछाल देखने को मिला। कारोबार की शुरुआत से ही तेजी के संकेत मिल रहे थे, जो दिन चढ़ने के साथ और मजबूत होते गए। दोपहर तक चांदी के दाम शुरुआती स्तर से करीब 15 हजार रुपये तक उछल गए।

दक्षिण भारत में अधिक तेजी

राजधानी दिल्ली समेत मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता जैसे बड़े बाजारों में चांदी 2.49 से 2.50 लाख रुपये प्रति किलो के आसपास कारोबार करती रही। वहीं जयपुर, सूरत और पुणे में यह स्तर 2.50 लाख रुपये के पार बना रहा। दक्षिण भारत के बाजारों में तेजी और अधिक तेज दिखी—हैदराबाद में कीमत लगभग 2.60 लाख रुपये और चेन्नई में यह 2.60 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के उच्च स्तर तक पहुंच गई। वैश्विक बाजार का असर भी साफ दिखा। COMEX पर चांदी और सोने दोनों में तेजी दर्ज की गई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी उछाल

अंतरराष्ट्रीय वायदा बाजार में चांदी 5 प्रतिशत से अधिक उछलकर 73 डॉलर प्रति औंस के ऊपर पहुंच गई, जबकि सोना भी मजबूत बढ़त के साथ ऊंचे स्तर पर कारोबार करता दिखा। बुलियन बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव में नरमी की उम्मीद, डॉलर में कमजोरी और औद्योगिक मांग में संभावित बढ़ोतरी ने चांदी की कीमतों को मजबूती दी है।

रेट में जोरदार बढ़ोतरी

देशभर में कीमतों में 14,800 से लेकर 18,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे कई प्रमुख बाजारों में भाव 2.49 लाख से 2.60 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के बीच पहुंच गए। आज अंतरराष्ट्रीय वायदा बाजार कमोडिटी एक्सचेंज इंक (कॉमेक्स) पर भी इन दोनों चमकीली धातुओं के भाव में उछाल की स्थिति बनी हुई है।

आईपीएल 2026 का काउंटडाउन

9 भारतीय कप्तानों की भिड़ंत

एजेंसी । मुंबई

आईपीएल 2026 का आगाज जल्द ही होने जा रहा है। इस सीजन पिछले सीजन की तरह ही 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं। यह टूर्नामेंट 28 मार्च से शुरू होगा। पहला मुकाबला आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। आईपीएल के 19वें सीजन में हम 9 भारतीय कप्तानों के साथ एंट्री कर रहे हैं। पैट कमिंस इस लीग में इकलौते विदेशी कप्तान हैं।

रजत पाटीदार (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु)

पाटीदार ने आरसीबी के लिए वह कर दिखाया जो पिछले 17 सालों में कोई नहीं कर सका—टीम को उसका पहला आईपीएल खिताब दिलाने के करीब ले जाना। उनकी कप्तानी में एक शांत गहराई है, जिसने न केवल आरसीबी बल्कि सेंट्रल ज़ोन को भी सफलता दिलाई। हालांकि, घुटने की चोट और हालिया खराब फॉर्म उनके लिए एक चुनौती है, लेकिन फिट होकर वापसी करना आरसीबी के प्रशंसकों के लिए बड़ी उम्मीद है।

श्रेयस अय्यर (पंजाब किंग्स)

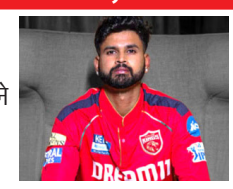

अय्यर कुछ समय से भारत की टी20 टीम से बाहर रहे हैं, और आईपीएल में एक बात साबित करने के लिए लौटे हैं। उन्होंने पिछले साल एक जोशीले कैंपेन में पंजाब किंग्स को आगे से लीड किया था, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण क्वालिफायर 2 में उनकी 41 गेंदों में नाबाद 87 रन की पारी थी, जब पंजाब किंग्स ने 204 रन का टारगेट चेज़ किया था। वे फाइनल में हार गए, और फिर अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया में अय्यर को स्प्लीन इंजरी हो गई।

हार्दिक पांड्या (मुंबई इंडियंस)

हार्दिक के लिए पिछले कुछ महीने बहुत अच्छे रहे हैं: चैंपियंस ट्रॉफी, एशिया कप और टी20 वर्ल्ड कप। वह नेशनल टीम का अहम हिस्सा रहे हैं, खासकर बल्ले से फिनिशर के तौर पर, जबकि पावरप्ले के अंदर और बाहर गेंद से भी योगदान दिया है। पिछले साल एमआई को प्लेऑफ में पहुंचाने के बाद, वह 2020 के बाद उन्हें अपने पहले फाइनल में ले जाने का लक्ष्य रखेंगे।

शुभमन गिल (गुजरात टाइटन्स)

गिल भारत के टी20 उप-कप्तान थे, और फिर वह नहीं रहे। वह वर्ल्ड कप में ओपनिंग करने की लाइन में थे, और फिर खराब प्रदर्शन करने के बाद पूरी तरह से टीम से बाहर हो गए। आईपीएल में अब अपनी जानी-पहचानी जगह पर वापस आकर, अहमदाबाद की सपाट पिचें उनकी बैटिंग के लिए सही रहेंगी, लेकिन वह यह दिखाना चाहेंगे कि जब उनकी टीम को ज़रूरत हो तो वह हालात के हिसाब से खुद को ढाल सकते हैं।

अक्षर पटेल (दिल्ली कैपिटल्स)

अक्षर में बड़े स्टार्स के बीच भी नज़र न आने की अनोखी काबिलियत है, और फिर भी वह भारत की हालिया टी20 वर्ल्ड कप जीत में अहम थे। जडेजा जैसे रोल में आकर, उन्होंने बैटिंग ऑर्डर में जगह बनाई और गेंद से भी अच्छा प्रदर्शन किया - खासकर फाइनल में न्यूज़ीलैंड को हराने वाले 27 रन देकर 3 विकेट।

ईशान किशन (सनराइज़र्स हैदराबाद) अस्थायी कप्तान

ईशान किशन शुरुआती कुछ मैचों के लिए पैट कमिंस की कप्तान नियुक्त किए गए हैं। वे टीम के अस्थायी कप्तान हैं, ऐसे में लीग में भारतीय कप्तानों की संख्या कुल 9 ही है। पैट कमिंस एकमात्र विदेशी कप्तान हैं। कई मायनों में, किशन का रिकॉर्ड गिल के बिल्कुल उलट रहा है।

ऋषभ पंत (लखनऊ सुपर जायंट्स)

पंत का पिछले साल आईपीएल बहुत खराब रहा था, उन्होंने 14 इनिंग्स में सिर्फ़ 269 रन बनाए थे - जिनमें से ज़्यादातर रन उन्होंने लीग स्टेज के आखिर में नाबाद 118 रन की शानदार पारी में बनाए थे।

अजिंक्य रहाणे (कोलकाता नाइट राइडर्स)

यह आईपीएल में रहाणे के लिए आखिरी मौका हो सकता है। केकेआर ने पिछले सीज़न में 14 गेम में सिर्फ़ पाँच जीत हासिल की थी, और 37 साल की उम्र में, समय उनके साथ नहीं है। फिर भी, एक प्रोडक्टिव सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी - 161.57 के स्ट्राइक रेट से 391 रन - ने उन्हें एक और मौका दिया है।

न्यूजीलैंड की महिला टीम ने सीरीज 4-1 से कब्जाई

एजेंसी । क्राइस्टचर्च

अमेलिया केर (105 रन और दो विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन से न्यूजीलैंड की महिला टीम ने पांचवें टी-20 में दक्षिण अफ्रीका पर 92 रन से जोरदार जीत दर्ज की। इसके साथ ही मेजबान टीम ने पांच मैचों की सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली। अमेलिया केर प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज रहीं। टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने 20 ओवरों में छह विकेट पर 194 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। अमेलिया के 55 गेंदों में 19 चौके और एक छक्के से 105 रन बनाए। अयाबोंगा खाका और टुमी सेखुखुने ने तीन-तीन विकेट लिए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम 20 ओवरों में नौ विकेट पर 102 रन ही बना सकी। उसके सात बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। लिया तहुहू ने सर्वाधिक तीन विकेट लिए।

कॉनर के दम पर दक्षिण अफ्रीका का सीरीज पर कब्जा

- 33 रन से हराया दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को पांचवें और अंतिम मुकाबले में
- 75 की पारी खेली कॉनर ने 33 गेंदों में छह छक्कों और पांच चौकों की मदद से

एजेंसी । क्राइस्टचर्च

क्राइस्टचर्च में खेले गए निर्णायक पांचवें टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 33 रन से हराकर सीरीज 3-2 से अपने नाम कर ली। इस जीत के सूत्रधार विकेटकीपर बल्लेबाज कॉनर एस्टरहाइजन रहे, जिन्होंने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए मात्र 33 गेंदों में 75 रन ठोक दिए। उनकी इस आक्रामक पारी में 6 छक्के और 5 चौके शामिल थे। पहले बल्लेबाजी का निमंत्रण मिलने पर दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 187 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया, जिसमें अंतिम 10 ओवरों में टीम ने तेजी से 111 रन जोड़े।

न्यूजीलैंड की लड़खड़ाती बल्लेबाजी और दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी

188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। दक्षिण अफ्रीका की सटीक गेंदबाजी और चुस्त क्षेत्ररक्षण के सामने कीवी बल्लेबाज नियमित अंतराल पर विकेट गंवाते रहे। टीम के लिए बेवोन जैकब्स ने सर्वाधिक 36 रन बनाए, जबकि कप्तान जेम्स नीशाम (24) और टिम रॉबिंसन (25) बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। पूरी टीम 20 ओवरों में 8 विकेट पर 154 रन ही बना सकी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से जेराल्ड कोएत्जी, वियान मुल्डर और ओटनील बार्टमैन ने 2-2 विकेट लेकर कीवी बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी।

मैच का टर्निंग पॉइंट और महत्वपूर्ण साझेदारियाँ

मैच का रुख तब बदला जब 11वें ओवर में कॉनर क्रीज पर आए। उन्होंने डियान फॉरेस्टर (नाबाद 21) के साथ चौथे विकेट के लिए महज 27 गेंदों में 61 रनों की विस्फोटक साझेदारी की। हालांकि दक्षिण अफ्रीकी पारी में 47 डॉट गेंदें रहीं, लेकिन बल्लेबाजों ने इसकी भरपाई 15 चौकों और 10 छक्कों की मदद से की। कॉनर को 49 रन के निजी स्कोर पर एक जीवनदान भी मिला, जिसका फायदा उठाकर उन्होंने टीम को मैच जिताऊ स्कोर तक पहुँचाया। न्यूजीलैंड की तरफ से बेन सीयर्स सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 2 विकेट हासिल किए।

दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड से सीरीज जीती

- 33 रन से पांचवां मुकाबला जीतकर मेहमान टीम ने 3-2 से सीरीज पर कब्जा किया
- 200 रन पांच मैच में बनाकर कॉनर एस्टरहाउजन प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज बने

एजेंसी । क्राइस्टचर्च

कॉनर एस्टरहाउजन (75) और रूबिन हरमन (39) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने पांचवें टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को 33 रन से शिकस्त दे दी। इसके साथ दक्षिण अफ्रीका ने पांच मैचों की सीरीज 3-2 से अपने नाम कर ली।टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवरों में चार विकेट पर 187 रन बनाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 20 ओवरों में आठ विकेट पर 154 रन ही बना सकी। कॉनर एस्टरहाउसजन को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने दूसरे ही ओवर में के. क्लार्क (दो) का विकेट गंवा दिया।

शुरुआती झटके बाद संभला

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने भी चौथे ओवर में टोनी डीजॉर्जी (12) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद रूबिन हरमन ने वियान मुल्डर के साथ दूसरे विकेट के लिए 55 रन जोड़े। 11वें ओवर में जॉश क्लार्कसन ने वियान मुल्डर (31) को आउट कर साझेदारी तोड़ी। इसके बाद एस्टरहाउजन ने रूबिन के साथ तेजी के साथ 49 रन बटोरे।

बॉलीवुड

'मिस्टर इंडिया' का सीक्वल बनाना चाहते हैं इमरान खान

अनिल कपूर स्टारर 'मिस्टर इंडिया' अपनी रिलीज के 29 साल बाद भी दर्शकों के बीच काफी पॉपुलर है। फिल्म को हर पीढ़ी के दर्शक काफी पसंद करते हैं। कई बार फिल्म का सीक्वल बनाने की भी चर्चाएं उठीं। अब अभिनेता इमरान खान ने 'मिस्टर इंडिया' का रीमेक बनाने की इच्छा जताई है। हाल ही में रेडिट के एक आस्क मी एनिथिंग सेशन में इमरान खान ने फैंस के अलग-अलग सवालों के जवाब दिए। इसी दौरान एक प्रशंसक ने इमरान खान से पूछा, 'अगर आपको कभी दुनिया के किसी भी इंडस्ट्री के किसी भी पॉपुलर किरदार (सुपरहीरो सहित) को अपने नजरिए से फिर से लिखने का मौका मिले, तो आप किसे चुनेंगे?'इसके जवाब इमरान ने कहा कि यह सुनने में थोड़ा अजीब लगेगा, लेकिन कई साल से मेरा सपना रहा है कि मैं 'मिस्टर इंडिया' का सीक्वल बनाऊं। मैं इस फिल्म का बहुत बड़ा फैन रहा हूं। क्योंकि यह एक फिक्शनल कॉमिक बुक फिल्म को यथार्थवादी और इमोशनल रूप से मजबूत बनाने का एक बेहतरीन उदाहरण है। यह शानदार है। अनिल कपूर आज भी उतने ही अच्छे दिखते हैं जितने तब दिखते थे। इसी दौरान इमरान से पूछा गया, ''मिस्टर इंडिया' एक महान किरदार हैं। उनकी यात्रा का आधुनिक रूप देखना बहुत रोमांचक होगा। इसलिए इसमें कुछ भी अजीब नहीं है। लेकिन क्या आप उसे एक हीरो वाला कैरेक्टर ही रखेंगे या एक क्लासिक विलेन के रूप में बदलने का जोखिम उठाना चाहेंगे?'इस पर इमरान ने कहा कि मेरे लिए इस किरदार की खूबसूरती उसकी ईमानदारी और आदर्शवाद में ही है। एक्टर ने कहा कि मुझे सच में लगता है कि मूल फिल्म में अनिल कपूर का जो आकर्षण और मासूमियत थी, उसे रीमेक में आप बखूबी निभा सकते हैं। मुझे जरूर बताएं कि मैं इसके लिए कहां साइन अप कर सकता हूं। शेखर कपूर द्वारा निर्देशित 'मिस्टर इंडिया' साल 1987 में रिलीज हुई थी। यह एक लोकप्रिय सुपरहीरो फिल्म है। इसमें अनिल कपूर ने किरदार अरुण वर्मा का जो एक निभाया है, है और वायलिन वादक का पालन-अनाथ बच्चों है। उसे अपने पोषण करता अदृष्य हो जाने वाली पिता की जाती है। इसके बाद घड़ी मिल लड़ने के लिए 'मिस्टर इंडिया' वह बुराई से है। फिल्म में श्रीदेवी ने पत्रकार बन जाता हवा हवाई) का किरदार निभाया सीमा (उर्फ अमरीश पुरी ने विलेन मोगैम्बो का है। जबकि किरदार अदा किया है। खतरनाक

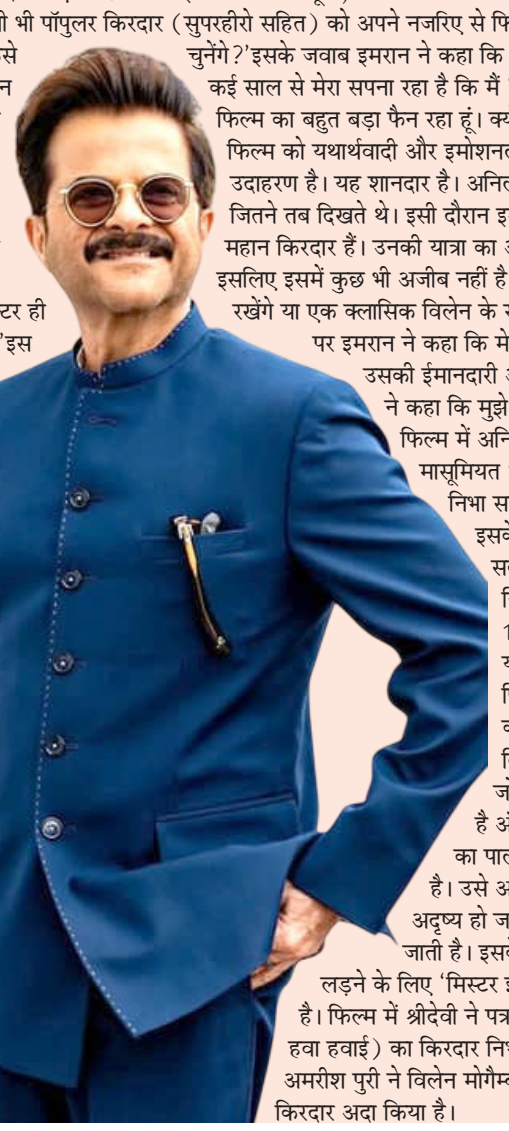

'पेड्डी' की शूटिंग में घायल हुए राम चरण

साउथ सुपरस्टार राम चरण अपनी आगामी फिल्म 'पेड्डी' की शूटिंग के दौरान घायल हो गए हैं, जिससे उनके फैंस चिंता में आ गए थे। हालांकि, अब उनकी टीम ने इस पूरे मामले पर सफाई देते हुए बताया है कि अभिनेता पूरी तरह सुरक्षित हैं और उनकी आंखों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। यह हादसा 24 मार्च को एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, राम चरण को एक आंख के ऊपर चोट लगी थी, जिसके चलते उन्हें चार टांके लगवाने पड़े। टीम के सूत्र ने स्पष्ट किया कि चोट आंख में नहीं, बल्कि उसके ऊपर लगी है और अभिनेता की आंख पूरी तरह सुरक्षित है। इस खबर के बाद फैंस ने राहत की सांस ली है। चोट लगने के बावजूद राम चरण ने शूटिंग से ब्रेक नहीं लिया और वह जल्द ही सेट पर लौट आए। 'पेड्डी' एक स्पोर्ट्स-ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्माण वृद्धि सिनेमाज के बैनर तले किया जा रहा है। गौरतलब है कि फिल्म का निर्देशन बुची बाबू सना कर रहे हैं और इसमें जाह्नवी कपूर भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म में ए.आर. रहमान का संगीत होगा और इसमें शिव राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। यह फिल्म 30 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जबकि इसका टीजर 27 मार्च को राम चरण के जन्मदिन पर जारी किए जाने की संभावना है।

बॉलीवुड पर बरसीं अमीषा पटेल

बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल ने फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। उन्होंने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' की जमकर तारीफ करते हुए निर्देशक आदित्य धर की सराहना की। सोशल मीडिया पर किए गए अपने पोस्ट में अमीषा ने कहा कि आज के दौर में जहां कलाकारों का चयन 'इंस्टाग्राम फॉलोअर्स' के आधार पर किया जा रहा है, वहीं आदित्य धर ने सिर्फ प्रतिभाशाली कलाकारों को मौका देकर एक मिसाल पेश की है। अमीषा ने बॉलीवुड पर निशाना साधते हुए लिखा कि इंडस्ट्री को यह समझने की जरूरत है कि 'धुरंधर 2' एक 'फिल्म' है, न कि सिर्फ एक 'प्रोजेक्ट'। उन्होंने कहा कि आदित्य धर ने असली कलाकारों को कास्ट किया है, न कि सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने वाले चेहरों को। उनके इस बयान ने फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग के मौजूदा ट्रेंड पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इससे पहले आलिया भट्ट, कंगना रनौत, अल्लू अर्जुन, जूनियर एनटीआर, महेश बाबू और रजनीकांत जैसे कई बड़े सितारे भी फिल्म की तारीफ कर चुके हैं। फिल्म की स्टारकास्ट भी इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। मुकेश छाबड़ा द्वारा की गई कास्टिंग में रणवीर सिंह, आर माधवन, अर्जुन रामपाल और अक्षय खन्ना जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ कई प्रतिभाशाली अभिनेताओं को भी अहम भूमिकाएं दी गई हैं। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म शानदार प्रदर्शन कर रही है और भारतीय बाजार में 570 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर चुकी है, जिससे यह साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में शामिल हो गई है।

फिल्म 'वन' की नई रिलीज डेट आई सामने

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा की आगामी फिल्म 'वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। निर्माताओं ने फिल्म की नई रिलीज तारीख का ऐलान कर दिया है। पहले यह फिल्म 15 मई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे आगे बढ़ाकर 28 अगस्त कर दिया गया है। खास बात यह है कि फिल्म रक्षाबंधन के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज डेट की पुष्टि की। इस फिल्म में पहली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ तमन्ना भाटिया नजर आएंगी, जिससे दर्शकों के बीच उत्साह और भी बढ़ गया है। फिल्म का निर्देशन दीपक मिश्रा और अरुणभ कुमार ने किया है, जबकि निर्माण की जिम्मेदारी एकता कपूर ने संभाली है। 'वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' का निर्माण बालाजी मोशन पिक्चर्स और द वायरल फीवर (टीवीएफ) के सहयोग से किया गया है। फिल्म की शूटिंग मध्य भारत के घने जंगलों में की गई है और इसकी कहानी गुप्त मंदिरों व प्राचीन लोककथाओं पर आधारित बताई जा रही है। थिएटर रिलीज के बाद यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर भी उपलब्ध होगी।

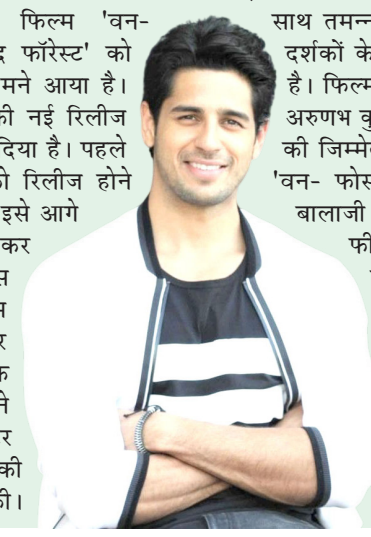

वॉर ब्रीफ

ईरान से बातचीत के बाद थाईलैंड का तेल टैंकर होर्मुज से गुजरा

तेहरान। थाईलैंड की कंपनी बैंकचक कॉर्पोरेशन ने पुष्टि की है कि उसका एक तेल टैंकर ईरान के साथ बातचीत के बाद सुरक्षित रूप से होर्मुज से गुजर गया है। थाई विदेश मंत्री सिहासाक फुआंगकेटकिओ ने बताया कि उन्होंने ईरान से अनुरोध किया था कि जब थाई जहाज इस रास्ते से गुजरें, तो उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा, "हमने उनसे कहा कि अगर थाई जहाज जलडमरूमध्य से गुजरते हैं, तो क्या वे उनकी सुरक्षित आवाजाही में मदद कर सकते हैं?" इसके जवाब में ईरान ने आश्वासन दिया कि वह इसका ध्यान रखेगा और गुजरने वाले जहाजों के नाम देने को कहा। इस बातचीत के बाद थाई तेल टैंकर बिना किसी बाधा के सुरक्षित तरीके से इस अहम समुद्री मार्ग से गुजर सका।

इजराइल ने 4 लाख रिजर्व सैनिक बुलाने की मंजूरी दी

तेल अवीव। इजराइल सरकार ने 4 लाख रिजर्व सैनिकों को बुलाने की मंजूरी दे दी है। सेना (IDF) ने कहा है कि यह संख्या कुल बुलाए जाने वाले सैनिकों की नहीं है, बल्कि एक मैक्सिमम सीमा है, जिसे जरूरत के हिसाब से बदला जा सकता है। सेना के मुताबिक, यह फैसला अलग-अलग मोर्चों पर बढ़ती चुनौतियों से निपटने के लिए लिया गया है। इससे पहले दिसंबर में यह सीमा 2.8 लाख थी, जिसे अब बढ़ाकर 4 लाख कर दिया गया है।

ईरानी राष्ट्रपति ने इजराइल के खिलाफ तुर्किये के रुख की सराहना की

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशिकयान ने तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगान के इजराइल के खिलाफ कड़े रुख की तारीफ की है। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने एर्दोगान के इस रुख को सराहनीय बताया और कहा कि तुर्किये इस्लामी दुनिया के साथ एकजुटता दिखाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

इजराइल ने ईरान पर अब तक 15,000 बम गिराए

तेल अवीव। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा है कि 28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिका-इजराइल युद्ध के बाद अब तक ईरान पर 15,000 से ज्यादा बम गिराए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि यह पिछले साल जून में हुए 12 दिन के संघर्ष की तुलना में चार गुना ज्यादा है।

पाकिस्तान ने अमेरिका का सीजफायर प्रस्ताव ईरान को सौंपा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अमेरिका की ओर से दिए गए सीजफायर से जुड़े प्रस्ताव ईरान को सौंप दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प प्रशासन ने पाकिस्तान को एक दस्तावेज दिया था, जिसे ईरान को सौंप दिया गया है। अब उसके जवाब का इंतजार किया जा रहा है। अल जजीरा के पत्रकार उसामा बिन जावेद ने बताया कि वरिष्ठ पाकिस्तानी सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है।

पीछे हटने को तैयार नहीं ईरान

- अमेरिकी युद्धपोत अब्राहम लिंकन पर दाग दीं मिसाइलें, चेतावनी भी दी

एजेंसी | तेहरान

मिडिल ईस्ट में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुँच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरानी बिजली संयंत्रों पर हमले का अल्टीमेटम वापस लेने के बावजूद, ईरान झुकने के मूड में नहीं दिख रहा है। बुधवार को ईरान ने दावा किया कि उसने अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन पर क्रूज मिसाइलें दागी हैं, जिससे उसे अपना रास्ता बदलने पर मजबूर होना पड़ा। ईरानी नौसेना ने सरकारी टीवी पर बयान जारी कर दावा किया कि उनकी 'कादर' एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों ने अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को निशाना बनाया। ईरान का कहना है कि इस हमले के डर से अमेरिकी बेड़े को अपनी स्थिति और दिशा बदलने पर मजबूर होना पड़ा। एडमिरल शहरम ईरानी ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी कैरियर ग्रुप की हर हरकत पर उनकी पैनी नज़र है।

ट्रंप के कदम पीछे खींचने के बाद भी तेहरान के तेवर कड़े

हाल ही में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी पावर प्लांट्स पर हमला करने के अपने 48 घंटे के अल्टीमेटम को टाल दिया था। इसे अमेरिका की ओर से तनाव कम करने की कोशिश माना जा रहा था, लेकिन ईरान के 'खातम अल-अंबिया' मुख्यालय के प्रवक्ता इब्राहिम जोलफागरी ने इसे अमेरिका की ₹रणनीतिक हार₹ करार दिया है। ईरान का मानना है कि अमेरिका अब वह दबदबा खो चुका है जो पहले हुआ करता था।

कूटनीतिक कोशिशों को बताया दिखावा

तेहरान के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने वॉशिंगटन द्वारा की जा रही कूटनीतिक कोशिशों और बातचीत के प्रस्तावों को महज एक 'दिखावा' बताया है। ईरान का आरोप है कि अमेरिका एक तरफ बातचीत की बात करता है और दूसरी तरफ युद्धपोतों के जरिए दबाव बनाने की कोशिश करता है, जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ईरानी नौसेना की सीधी चेतावनी

ईरानी नौसेना प्रमुख ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि जैसे ही अमेरिकी बेड़ा उनकी मिसाइल प्रणालियों की मारक क्षमता (Range) के भीतर आएगा, उन पर और भी घातक हमले किए जाएंगे। 'प्रेस टीवी' के अनुसार, ईरान अपनी समुद्री सीमाओं की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है और अमेरिकी मौजूदगी को चुनौती दे रहा है।

ईरान को ट्रम्प के दामाद पर भरोसा नहीं

तेहरान। ईरान ने ट्रम्प सरकार को संकेत दिया है कि वह राष्ट्रपति की चुनी हुई टीम के बजाए जेडी वेंस के साथ बातचीत करना ज्यादा पसंद करेगा। सूत्रों का कहना है कि ईरान वेंस को युद्ध विरोधी मानता है। ईरान ट्रम्प के दामाद और सलाहकार जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ के साथ बातचीत नहीं करना चाहता। ईरान का कहना है उनके साथ बातचीत चल रही थी तभी अमेरिका-ईजराइल ने हमला कर दिया था। एक राजनयिक सूत्र ने कहा कि पुरानी टीम के साथ बातचीत की कोई संभावना नहीं है। ईरान को लगता है कि बातचीत का प्रस्ताव सिर्फ अमेरिका-इजराइल के लिए एक और चाल है, ताकि वे फिर से हमले के लिए कुछ और समय ले सकें। ट्रम्प के करीबी लोगों के मुकाबले, वेंस को तेहरान में ऐसा नेता माना जा रहा है जो पश्चिम एशिया में सैन्य कार्रवाई को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं है। एक और सूत्र ने कहा कि अगर बातचीत का कोई नतीजा निकालना है, तो जेडी वेंस को शामिल होना चाहिए। विटकॉफ और कुशनर के साथ कुछ नहीं होगा। यह पहले भी हो चुका है। ईरान के लिए यह पसंद का नहीं, बल्कि नुकसान कम करने का मामला है। वह ऐसे व्यक्ति को चुनना चाहता है जिसका इस युद्ध से कम जुड़ाव हो।

खाड़ी में 20 भारतीय जहाज मौजूद, सभी सुरक्षित

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने साफ किया है कि देश के नागरिकों और नाविकों की सुरक्षा पूरी तरह सुनिश्चित है। सरकार लगातार हालात पर नजर रख रही है और हर जरूरी कदम उठा रही है। शिपिंग मंत्रालय और विदेश मंत्रालय दोनों स्तर पर निगरानी तेज कर दी गई है।

खाड़ी क्षेत्र में हालात संवेदनशील जरूर हैं, लेकिन भारत ने अपने लोगों को सुरक्षित रखने और व्यापार को जारी रखने के लिए मजबूत व्यवस्था बनाई है। सरकार के मुताबिक पिछले 24 घंटों में किसी भी भारतीय जहाज या नाविक से जुड़ी कोई घटना सामने नहीं आई है। फारस की खाड़ी में मौजूद 20 भारतीय जहाज और उनमें सवार 540 भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं। इसी दौरान 50 भारतीय नाविकों को सुरक्षित वापस भारत लाया गया है। बंदरगाहों पर काम सामान्य चल रहा है और कहीं भी जाम या रुकावट की खबर नहीं है।

ईरान पॉलिसी पर घर में घिरे डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी | वाशिंगटन

मिडिल ईस्ट में तनाव चरम पर है। दावों के बीच जंग जारी है। ईरान पीछे हटने को किसी कीमत पर तैयार नहीं है। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कह रहे हैं कि ईरान युद्ध बहुत जल्द खत्म होने वाला है। फिलहाल इसकी संभावना कम ही नजर आ रही है। इस बीच एसोसिएटेड प्रेस-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च ने एक सर्वेक्षण किया है। सर्वे के अनुसार, ज्यादातर अमेरिकी नागरिक मानते हैं कि ईरान के खिलाफ हालिया अमेरिकी सैन्य कार्रवाई अत्यधिक हो गई है। साथ ही, कई लोग बढ़ते पेट्रोल की कीमतों और उसके खर्च को लेकर गहरी चिंता जता रहे हैं।

59 फीसदी अमेरिकियों ने कहा- हद पार

हालांकि अमेरिका और इजराइल द्वारा शुरू किए गए इस संघर्ष के चौथे सप्ताह में भी जारी रहने के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता रेटिंग स्थिर बनी हुई है, लेकिन यह युद्ध उनकी रिपब्लिकन सरकार के लिए तेजी से बड़ी राजनीतिक चुनौती बनता जा रहा है। सर्वेक्षण में पाया गया कि लगभग 59 प्रतिशत अमेरिकियों का कहना है कि ईरान में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई हद से ज्यादा हो गई है, जबकि राष्ट्रपति ट्रंप मध्य पूर्व में और अधिक युद्धपोत तथा सैनिक तैनात करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

पेट्रोल की कीमतों को लेकर चिंता

सर्वेक्षण के मुताबिक, 45 प्रतिशत लोगों ने अगले कुछ महीनों में पेट्रोल का खर्च वहन करने को लेकर 'अत्यधिक' या 'बहुत' चिंतित होने की बात कही है। यह आंकड़ा ट्रंप के दोबारा चुनाव जीतने के तुरंत बाद किए गए सर्वेक्षण में मात्र 30 प्रतिशत था। याद रहे कि ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान अर्थव्यवस्था सुधारने और जीवनयापन की लागत घटाने के बड़े वादे किए थे। हालांकि, राष्ट्रपति के एक प्रमुख विदेश नीति लक्ष्य (ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने) को काफी समर्थन मिला है। लगभग दो-तिहाई अमेरिकियों का मानना है कि यह अमेरिका के लिए 'अत्यंत' या 'बहुत' महत्वपूर्ण लक्ष्य होना चाहिए।

10 में से 4 अमेरिकी को ट्रंप हैं पसंद

वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रदर्शन को अभी भी लगभग 40 प्रतिशत (10 में से 4) अमेरिकी वयस्क पसंद करते हैं, जो पिछले महीने से लगभग अपरिवर्तित है। विदेश नीति पर उनकी लोकप्रियता रेटिंग से थोड़ी कम है, लेकिन वह भी काफी हद तक स्थिर बनी हुई है। ईरान के मामले में ट्रंप के अगले कदमों को लेकर अभी स्पष्टता नहीं है। बढ़ते खतरों के बावजूद उन्होंने राजनयिक वार्ता से समाधान निकालने के संकेत दिए हैं। हालांकि, अमेरिकी नागरिक ट्रंप की विदेशों में सैन्य बल के इस्तेमाल पर सही फैसले लेने की क्षमता पर आशंकित हैं।

आम आदमी भरेगा उड़ान

- पहाड़ी और दुर्गम इलाकों के लिए 28,840 करोड़ का बजट
- इमिग्रेशन, वीजा और विदेशी नागरिक ट्रैकिंग से जुड़ी IVFRT योजना 5 साल के लिए बढ़ी

एजेंसी | नई दिल्ली

नई दिल्ली में बुधवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में भारत के भविष्य की तस्वीर बदलने वाले कई फैसले लिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में हवाई संपर्क, डिजिटल सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को लेकर बड़े निवेशों को मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि टियर-2 और टियर-3 शहरों में हवाई सेवा बेहतर करने के लिए UDAN 2.0 को हरी झंडी दी गई है। इसके तहत 100 नए एयरपोर्ट विकसित किए जाएंगे, जिनमें उन पुरानी एयरस्ट्रिप्स का उपयोग होगा जो अब तक खाली पड़ी थीं। इसके अलावा, हिमालयी राज्यों और नॉर्थ-ईस्ट के लिए 200 नए हेलीपैड्स बनाए जाएंगे ताकि पहाड़ों में भी सफर आसान हो सके।

100 नए एयरपोर्ट और 200 हेलीपैड्स को मंजूरी

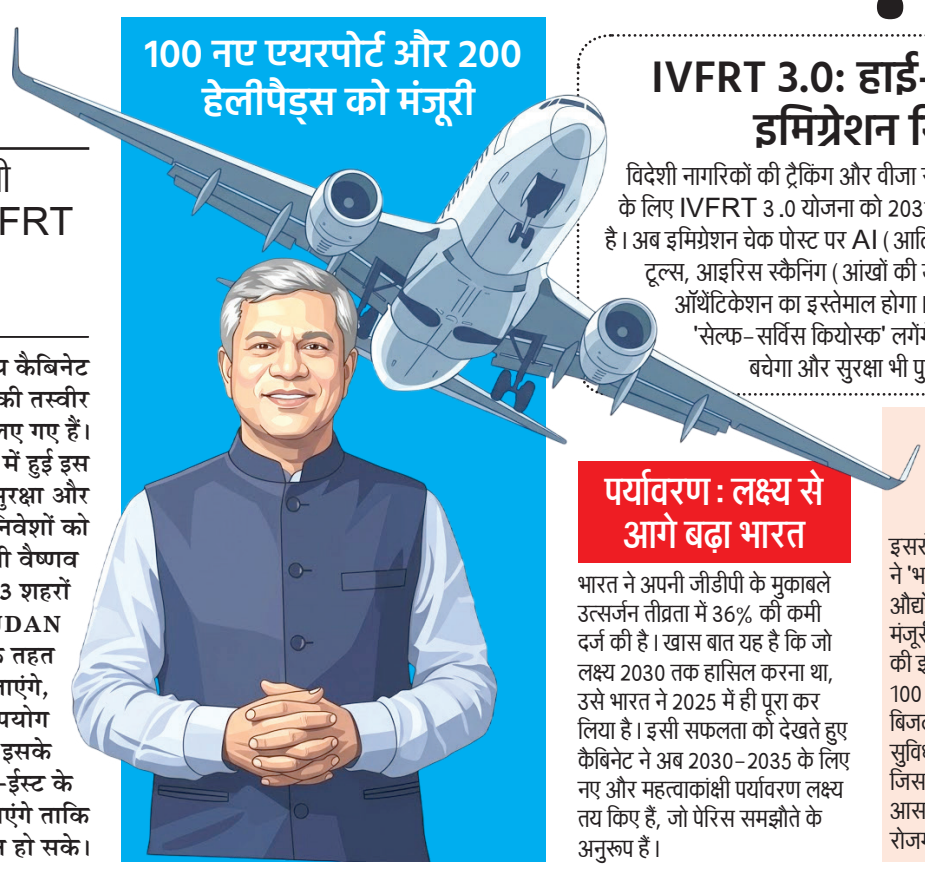

IVFRT 3.0: हाई-टेक होगा इमिग्रेशन सिस्टम

विदेशी नागरिकों की ट्रैकिंग और वीजा सेवाओं को आधुनिक बनाने के लिए IVFRT 3.0 योजना को 2031 तक बढ़ा दिया गया है। अब इमिग्रेशन चेक पोस्ट पर AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) टूल्स, आइरिस स्कैनिंग (आंखों की जांच) और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन का इस्तेमाल होगा। इससे एयरपोर्ट्स पर 'सेल्फ-सर्विस कियोस्क' लगेंगे, जिससे यात्रियों का समय बचेगा और सुरक्षा भी पुख्ता होगी।

पर्यावरण : लक्ष्य से आगे बढ़ा भारत

भारत ने अपनी जीडीपी के मुकाबले उत्सर्जन तीव्रता में 36% की कमी दर्ज की है। खास बात यह है कि जो लक्ष्य 2030 तक हासिल करना था, उसे भारत ने 2025 में ही पूरा कर लिया है। इसी सफलता को देखते हुए कैबिनेट ने अब 2030-2035 के लिए नए और महत्वाकांक्षी पर्यावरण लक्ष्य तय किए हैं, जो पेरिस समझौते के अनुरूप हैं।

'BHAVYA' योजना : 100 इंडस्ट्रियल पार्क

इससे पहले 18 मार्च को सरकार ने 'भव्य' (BHAVYA - भारत औद्योगिक विकास योजना) को मंजूरी दी थी। 33,660 करोड़ की इस योजना से देशभर में 100 इंडस्ट्रियल पार्क बनेंगे। यहाँ बिजली, पानी और ज़मीन जैसी सुविधाएँ पहले से तैयार मिलेंगी, जिससे उद्योगों को लगाने में आसानी होगी और लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा।

वकीलों के लिए बनेगा अलग कल्याण कोष

- केंद्र और बीसीआई से शीर्ष कोर्ट ने मांगा जवाब

एजेंसी | नई दिल्ली

शीर्ष अदालत में प्रैक्टिस करने वाले वकीलों के लिए खुशखबरी है। दरअसल, उनके भविष्य को लेकर एक बड़ा कदम उठाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार, भारतीय विधि परिषद (BCI) और दिल्ली बार काउंसिल को नोटिस जारी किया है। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से एक याचिका दायर की गई थी। इस याचिका में शीर्ष अदालत के वकीलों के लिए 'वेलफेयर फंड' बनाने की मांग की गई थी।

क्या है पूरा मामला?

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि इस तरह के फंड का निर्माण समय की मांग है। वर्तमान में 'एडवोकेट्स वेलफेयर फंड एक्ट' में एक बड़ी कानूनी खामी है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह ने अदालत में दलील दी कि मौजूदा कानून के तहत सुप्रीम कोर्ट के वकीलों को वह लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिसके वे हकदार हैं। विकास सिंह ने कहा कि जब भी कोई वकील सुप्रीम कोर्ट में वकालतनामा दाखिल करता है, तो उस पर वेलफेयर स्टैंप लगाया जाता है। लेकिन इस स्टैंप से होने वाली कमाई सीधे दिल्ली बार काउंसिल के पास चली जाती है। कानून के अनुसार, वकील केवल वही है जो किसी राज्य की बार काउंसिल की सूची में दर्ज हो। इस तकनीकी पेंच की वजह से सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन इस दायरे से बाहर हो जाता है।

वकीलों के लिए सुरक्षा घेरा बनाने की तैयारी

याचिका में मांग की गई है कि सुप्रीम कोर्ट के नियमों में संशोधन कर एक नया 'नियम 15A' जोड़ा जाए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने खाका भी पेश किया है। प्रस्ताव के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट में दाखिल होने वाले हर वकालतनामा पर 500 रुपये का लॉयर्स वेलफेयर स्टैंप अनिवार्य किया जाए। इस स्टैंप से होने वाली पूरी कमाई शीर्ष अदालत के वकीलों के कल्याण कोष में जमा हो।

वोटर लिस्ट से हटे आठ लाख नाम, बंगाल में नहीं होने देंगे एनआरसी: बनर्जी

एजेंसी | कोलकाता

बंगाल चुनाव की तपिश के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नक्सलबाड़ी में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान 'दीदी' के निशाने पर केंद्र की भाजपा सरकार रही। ममता बनर्जी ने अपने भाषण में नागरिकता के मुद्दे से लेकर आदिवासियों के हक तक, हर उस नब्ज को टटोला, जो बंगाल की राजनीति में सबसे ज्यादा संवेदनशील मानी जाती है। ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि न NRC होने दूंगी, न डिटेंशन कैंप बनने दूंगी। सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि कुल 27 लाख मतदाता ऐसे थे जिनकी पात्रता की जांच एसआईआर के तहत की जा रही थी। उन्होंने कहा, ₹मुझे जानकारी मिली है कि पहली लिस्ट में ही 8 लाख नाम हटा दिए गए हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि वह लिस्ट है कहां? चुनाव आयोग ने इसे सिर्फ ऑनलाइन क्यों रखा है? सरकारी दफ्तरों में इसकी हार्ड कॉपी अब तक क्यों नहीं लगाई गई?₹ सीएम ने कहा कि जब तक लिस्ट सार्वजनिक नहीं की जाएगी।

झारखंड में मिला अमेरिकी एएन-एम 64 बम

- स्वर्णरेखा नदी के तट से हुई 227 किलो के 'टाइम बम' की बरामदगी
- सेना की इंजीनियर रेजीमेंट ने हाई रिस्क आपरेशन चलाकर किया निष्क्रिय

एजेंसी | पूर्वी सिंहभूम

झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में स्वर्णरेखा नदी किनारे मिला दशकों पुराना 227 किलोग्राम वजनी बम बुधवार को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया गया। भारतीय सेना की विशेषज्ञ टीम ने बेहद जोखिम भरे ऑपरेशन को अंजाम देते हुए संभावित बड़े हादसे को टाल दिया। ऑपरेशन के सफल समापन के बाद इलाके में राहत का माहौल है। यह बम द्वितीय विश्व युद्ध के दौर का बताया जा रहा है।

शक्तिशाली और खतरनाक श्रेणी

बहरागोड़ा प्रखंड के पानीपाड़ा-नागुडसाई गांव के पास मिला यह बम अमेरिकी एएन-एम 64 मॉडल का बताया गया, जिसे अत्यंत शक्तिशाली और खतरनाक श्रेणी में रखा जाता है। सेना की 51 इंजीनियर रेजिमेंट (रांची) की विशेष टीम ने लेफ्टिनेंट कर्नल धर्मेंद्र सिंह और कैप्टन आयुष कुमार सिंह के नेतृत्व में पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया। टीम में प्रशिक्षित बम निरोधक विशेषज्ञ शामिल थे, जिन्होंने अत्याधुनिक तकनीक और सटीक रणनीति के साथ इस मिशन को पूरा किया।

दस फीट गहरे गड्ढे में कराया विस्फोट

सेना अधिकारियों के अनुसार, बम का अनियंत्रित विस्फोट व्यापक क्षेत्र में भारी नुकसान पहुंचा सकता था। जोखिम को नियंत्रित करने के लिए बम को करीब 10 फीट गहरे गड्ढे में रखकर चारों ओर बालू से भरी बोरियों का सुरक्षा घेरा बनाया गया। इसके बाद नियंत्रित विस्फोट कर उसे निष्क्रिय किया गया। पूरी कार्रवाई एक किलोमीटर दूर स्थापित कंट्रोल पॉइंट से मॉनिटर की गई।

सील किया गया एक किमी का दायरा

ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। पूरे क्षेत्र को सील कर एक किलोमीटर के दायरे में आम लोगों की आवाजाही रोक दी गई और ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया। पुलिस और प्रशासन की संयुक्त निगरानी में ऑपरेशन को अंजाम दिया गया।

सबसे पहले मछुआरों ने देखा था बम

गौरतलब है कि 17 मार्च को स्थानीय मछुआरों ने नदी में मछली पकड़ते समय सिलेंडर जैसी संदिग्ध वस्तु देखी थी। सूचना पर प्रशासन ने जांच की तो यह बम निकला, जिसके बाद तुरंत सेना को बुलाया गया। दो दिनों तक इलाके का सर्वे कर भूगोल और नदी के बहाव का अध्ययन किया गया, जिसके आधार पर ऑपरेशन की रणनीति तय की गई।